समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अप्रैल २०१९ • वर्ष ७० • अंक ०४
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) प्रतियोगिता में समाज के प्रतिभागियों का अभूतपूर्व प्रदर्शन, हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ!

बिहार के सफल प्रतिभागी

सुश्री सलोनी खेमका
(सुपुत्री श्रीमती सुनीता - श्री सुनील खेमका, पटना)

श्री आयुष कुमार
(सुपुत्र श्रीमती नीलम - श्री सतीश अग्रवाल, बेगूसराय)

श्री आयुष नोपानी
(सुपुत्र श्रीमती सरिता - श्री कमल नोपानी, पटना)

श्री नीतेष जैन
(सुपुत्र श्रीमती सुधा - श्री आनंद जैन, पुरैनी, मधेपुरा)

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born
of
black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set
of words to remember.
Start an idea that inspires and
challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,
BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,
VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

समाज विकास

◆ अप्रैल २०१९ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०४
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** सफल प्रजातंत्र के लिए राजनैतिक चेतना जरूरी	७-८
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** समाज का मतदान शत प्रतिशत हो	९
● **रपट :** राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक	११-१३
● **रपट :** राजनैतिक चेतना कार्यक्रम	१४-१५
● **केन्द्रीय / प्रांतीय समाचार**	१९-२५
● समाचार सार / विविध	२५-२६, ३०
● **उपलब्धि :** अनुपमा शर्मा	२९
● **लघु कविताएँ** – डॉ. सुनील गज्जाणी	३१
● समाज विकास : अतीत के पन्नो से	३२
● **आलेख : श्री रवि पुरोहित** राजस्थानी प्रेम लोकगाथावां में संयोग-विजोग	३५-३६
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	३७-४०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

आओ मतदान करें

हम अपने लोकतांत्रिक दायित्व एवं अधिकार का निर्वहन करते हुए संकल्प लेते है कि स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, बिना किसी प्रलोभन एवं संकीर्णता से प्रभावित हुए, चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करेंगे और परिवार एवं समाज में अन्य बंधुओं को भी इस हेतु प्रोत्साहित करेंगे।

संतोष सराफ *अध्यक्ष*
श्रीगोपाल झुनझुनवाला *महामंत्री*
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

मतदान

पावर तू पहचान चिड़कली
मत चूके मतदान चिड़कली
लोभ लालच में मत तू फ़सज्ये
करज्ये वोट रो मान चिड़कली
एक वोट सूं हार जीत व्हे
इणरो रखजये ध्यान चिड़कली
मिनख मिनख में घणो अंतरो
इतरो लीज्ये जाण चिड़कली
अवसर चूकया मत पछताजे
सोच समझ कर मतदान चिड़कली
बिलमासी ए तने बाता में
आंकी आही बाण चिड़कली
चोर लुटेरा फिरे जागता
मत सो खूंटी ताण चिड़कली।

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular/Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

सफल प्रजातंत्र के लिए राजनैतिक चेतना जरूरी

लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है। राजनैतिक चेतना की बात समाज में उठने लगी है। यह एक कटु सत्य है कि समाज की राजनीति में दिलचस्पी या भागीदारी में वढ़ोतरी की बहुत संभावनायें हैं। आज राजनीति को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता है। यह एक धारणा बन गई है कि राजनीति अच्छे लोगों के लिये नहीं हैं। इस संबंध में विचार करने के लिये हमें अतीत में झाँकने की आवश्यकता है। साथ ही वर्तमान स्थिति का जायजा भी लिया जाना उचित होगा। हमारे देश की परंपरा के अंतर्गत हजारों वर्ष पहले से ही भारतवर्ष में गणराज्य स्थापित हो गये थे। उनकी शासन व्यवस्था अत्यंत दृढ़ थी एवं जनता सुखी थी। एक अनुमान के अनुसार गणराज्य या गणतंत्र शब्द का प्रयोग ऋग्वेद मे चालीस बार, अथर्व वेद में नौ बार एवं अन्य प्राचीन ग्रन्थो में अनेक बार मिलता है। हमारे ग्रंथों में राजधर्म का विशद विवेचन किया गया है। मनुस्मृति में राजा के विषय में कई गुण आवश्यक बताये गये है। महाराज युधिष्ठिर के अनुसार राजा मध्यस्थ भाव मे रहकर तीक्ष्णता, कुटिलनीति, अभयदान, सरलता और श्रेष्ठ मान का अवलम्बन करें। महर्षि बाल्मिकी के रामायण में भी एक प्रसंग में राजा के कर्तव्य बताये गये हैं। राजा से अपेक्षा रहती थी कि वह चरित्रवान हो, दृढ़ संकल्प वाला हो, जनता के हितों के प्रति समर्पित हो, ज्ञानी एवं अनुभवीजनों का सम्मान करता हो तथा उनसे राय लेता हो, अपराधिक वृत्ति में लिप्त जनों को दंड देने में विलम्ब न करता हो। राजतंत्र में भी जनता की अवहेलना करना एक गंभीर अपराध माना जाता था। राजा जनक एवं राजा राम का उदाहरण हम सभी जानते हैं। महात्मा बुद्ध ने गणराज्य की सफलता के सात कारण बताये थे। इतनी समृद्ध परिपाटी के पश्चात भी राजनीति को हम अगर बुरा कहते है तो उसके लिये हम स्वयं ही जिम्मेदार हैं। भगवान कृष्ण ने स्वयं राजनीति का सहारा लेते हुए पांडवो को महाभारत का युद्ध जीतने में मदद की थी। भीष्म के आगे शिखंडी को खड़ाकर उसे धोखे मे मरवाया, द्रोण को 'अश्वत्थामा मारा गया', ऐसा झूठ बुलवाकर मरवाया। उन्होंने यह संदेश दिया कि बुराई के नाश के लिये व्यापक जनहित में राजनीति एवं कूटनीति आवश्यक है। वैदिक काल से ही राजनैतिक चेतना नागरिक कर्त्तव्य के साथ जुड़ी है। राज्य संचालन के इतर गुरुकुल की अपनी सत्ता थी। जिसे तत्कालीन राजा अपने से उपर सहज स्वीकार करते थे। ऋग्वेद, मनुस्मृति, कौटिल्यशास्त्र हो या आधिुनिक युग के विचारक, सभी ने इस बात पर जोर दिया है कि राज्य का प्रत्येक व्यक्ति राजनीतिक रूप से जाग्रत होने के साथ-साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति आवश्यक कर्त्तव्यों का पालन सहज भाव से करे। राजनीति सिर्फ राजनेता तक ही सीमित नहीं है। मनुष्य अपने स्वभाव से एक राजनीतिक जीव है। समाज एवं समाज व्यवस्था उसे प्रभावित करती है एवं वह स्वयं भी समाज को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। स्वामी विवेकानन्द सदैव भारत के दबे-कुचलों के उत्थान की बात करते थे। उन्होंने कहा था कि स्वयं को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है। इससे बड़ा राजनीतिक संदेश आम आदमी के लिये हो नहीं सकता।

राजनीति का अंग्रेजी पर्याय पालिटिक्स का मूल यूनानी भाषा के पोलिस शब्द से है, जिसका अर्थ है समुदाय, या जनता या समाज। प्लेटो, अरस्तु जैसे चिंतकों की दृष्टि में ऐसी हर चीज राजनीतिक है जिसका संबंध पूरे समुदाय को प्रभावित करने व उनके पालन करने में मनुष्यों को बढ़ावा देना एवं इसमें सफलता प्राप्त करने में सहायता देना है। गांधीजी का सर्वोदय भी इसी विचारधारा को पुष्ट करता दिखता है। उनका कहना था कि राजनीति का प्रयोजन समन्वय के सिद्धांत पर आधारित समाज की रचना है। गांधीजी राजनीतिक व्यवस्था के तहत ऐसे सामाजिक व्यवस्था की स्थापना करना चाहते थे, जो कि सत्य एवं अहिंसा पर आधारित हो एवं जिसमें भय एवं शोषण का स्थान न हो। उन्होंने कहा था, "मेरे लिये धर्म के बिना कोई राजनीति नहीं है। धर्म से मेरा अभिप्राय औपचारिक रूढ़िवादी धर्म से नहीं परन्तु उस धर्म से है जो सब धर्मों की बुनियाद है। मेरा धर्म अंधविश्वास का धर्म नहीं और न ही अंधाधर्म है।" राजनीति तभी तक अच्छी रहती है जब तक यह सभी के सामान्य हितों की रक्षा करे और ऐसा नहीं हो तो कम से कम दूसरों के हितों को नुकसान न पहुँचाये। इन्हीं भावनाओं को संजोये हुए, गंभीर अध्ययन, विचार-विमर्श के पश्चात आम राय से हमने गणतांत्रिक एवं प्रजातांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था का चयन किया एवं विश्व के सबसे लम्बे लिखित संविधान को पारित किया गया।

हमारा इतिहास गौरवमय रहा है। पर एक समय ऐसा भी आया जब जातिभेद, अस्पृश्यता, सामाजिक अन्याय, महिलाओं का गौण दर्जा, श्रम को नीच समझना आदि के कारण हमारा समाज कमजोर हो गया एवं फलस्वरूप हम गुलाम बन गये। हमारे संविधान के प्रारंभ के शब्द 'हम भारत के लोग'.... हमारे उदार भावना को प्रदर्शित करता है। 'हम' शब्द में किसी प्रकार का भेद-भाव नहीं रखा गया। यह 'हम' सर्वाधिक महत्वपूर्ण शब्द

है, जिसमें नागरिक को महज एक नागरिक के रूप में प्रस्तुत किया गया। उसका धर्म, रंग, भाषा, समुदाय, लिंग, आयु आदि गौण हो गया।

राजनीतिक तौर पर कानून की दृष्टि में प्रत्येक नागरिक का समान अधिकार हो गया। संविधान के प्रणेता डॉ. अम्बेडकर ने कहा था – केवल राजनीतिक आदर्श रखना काफी नहीं है। इन आदर्शों को विजयी बनाना जरूरी है। यह विजय तब ही होगी जब वह राजनीतिक समानता हमे सामाजिक समानता की ओर उन्मुख करेगी। हमारे संविधान के अनुसार हमारा देश सम्पूर्ण प्रभुतासम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य है। संविधान का लक्ष्य है प्रत्येक नागरिक को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय प्रदान करना। संविधान हमें विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म एवं उपासना की स्वतंत्रता प्रदान करता है। सत्तर वर्षों में राजनीतिक दलों एवं साधारण नागरिकों की क्या भूमिका रही है? यह एक अहम प्रश्न है कि किस प्रकार की राजनीति हो रही है एवं इसका क्या संदेश जाता है। राजनीति अंततः समाज को गढ़ती है एवं दिशा देती है। दुख का विषय है कि आज की राजनीति लोभी, लालची एवं भ्रष्ट संस्कृति को जन्म दे रही है। वैचारिक रूप से हम दरिद्र होते जा रहे हैं। गांधी, तिलक, गोखले, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द, टैगोर, राजा राममोहन राय जैसे चिंतक एवं सांस्कृतिक दूत संविधान लागू होने से पहले ही लुप्त हो गये। उनका विकल्प उनका जीवन एवं जीवन मूल्य ही हैं। असम के संत माधवदेव ने आज की राजनीति को 'राजनीति राक्षसेर शास्त्र' बताया तो बिनोवा भावे ने दो वचन कहे थे– इलेक्शन विलक्षणं, यत्र यत्र इलेक्शनम तत्र विभाजन विद्यते।

अब्राहम लिंकन ने प्रजातंत्र को जनता का, जनता के लिए एवं जनता के द्वारा तंत्र कहा था। लोकतंत्र में लोक इंजिन है एवं तंत्र उसका डब्बा। दोनों को मिलाकर लोकतंत्र की गाड़ी आगे बढ़ती है। आज 'लोक' एवं 'तंत्र' दो धुरी पर नजर आ रहे हैं। 'लोक' शब्द अपने अपार विस्तार से समस्त संकीर्णताओं से मुक्त होना चाहिए। लोक में सभी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, भाषा, क्षेत्र, वर्ग के लोगों का उदार भाव से सक्रिय सह अस्तित्व रहना चाहिए। लोकतंत्र में सत्ता जनता की सेवा का माध्यम होना चाहिये। आज लोकतंत्र सत्ता का खेल बन गया है। लोक को अपने स्वार्थसिद्धि के लिये अनेक समूहों में बाँटने का श्रेय राजनीतिक आकांक्षाओं को जाता है। एक ओर लोक बलात्कार, हिंसा, लोलुपता पर उतारू है, दूसरी ओर तंत्र लाठियाँ-गोलियाँ बरसा रहा है। कभी अनुचित माँगों को स्वीकार कर मुआवजा बाँट रहा है। राजनीतिक नेतृत्व के वाक्-संयम का अभाव हमारे समाज पर दुष्प्रभाव डाल रहा है। लोकतंत्र सदैव संवाद एवं असहमति के साथ जीवित रहता है। विचार एवं सत्ता के बीच अक्सर तनाव, द्वंद और तर्क-वितर्क आदि होते हैं। किन्तु आज असहिष्णुता बढ़ रही है। राजनीति एवं चुनावों में धन का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा है। लोकतंत्र में लोकतंत्र का अभाव होता जा रहा है। लोकतंत्र का भीड़तंत्र में बदलना खतरे की निशानी है। रैलियाँ, सभाओं यात्राओं में तंत्र खुलेआम यह खेल खेल रहा है। शक्ति प्रदर्शन की इस होड़ में शक्ति, समय और धन का दुरुपयोग होता है। सार्वजनिक जीवन में अश्लीलता, उद्दंडता, आपराधिक आचरण के बारे में आवश्यक बहस नदारद है। नैतिक पतन, चारित्रिक पतन, कानून पालन के प्रति बढ़ती अनास्था, कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो 'लोक' और 'तंत्र' दोनों का ध्यान चाहते हैं। वोट-बैंक की राजनीति हो रही है। लोक की सक्रियता ही तंत्र को सुधार सकती है। राष्ट्रीय चिंतन के केन्द्र बिन्दु 'लोक' की मनःस्थिति को ऊँचा करने का प्रयास होना चाहिए। अच्छे लोग उसी क्षेत्र से चुने जा सकते हैं, जहाँ वोटरों का दृष्टिकोण परिष्कृत है। संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा करने का दायित्व प्रत्येक नागरिक का है। सिर्फ मतदान करने भर से हमारे दायित्वों का पालन नहीं होता। **राष्ट्रकवि दिनकर ने कहा है – शासन के यंत्रों पर रक्खो आँख कड़ी / छिपे अगर हों दोष, उन्हें खोलते चलो / प्रजातंत्र का क्षीर प्रजा की वाणी है / जो कुछ हो बोलना, अभय बोलते चलो। ... प्रजातंत्र का वह जन असली मीत / सदा टोकता रहता जो शासन को / जनसत्ता का वह गाली संगीत / जो विरोधियों के मुख से झरती है।**

राजनैतिक चेतना का विकास एवं राजनीतिक ज्ञान का फैलाव और गहणीकरण समाज को लामबंद करने का महत्वपूर्ण साधन है। यह बात समझने की आवश्यकता कि किस प्रकार चुनाव को साधारण आदमी के बलबूते से बाहर किया जा रहा है। राजनीति को लेकर हीन भावना का विस्तार हो रहा है। विशेषकर मारवाड़ी समाज चुनाव एवं राजनीति से अपने को जोड़ने में हिचकिचाहट महसूस करता है। फलस्वरूप क्रमशः हमारा प्रतिनिधित्व भी घटता जा रहा है। समाज को संगठित होकर अपने आवाज को बुलंद करना होगा। खासकर युवाओं को इसमें रुचि लेने की आवश्यकता है। राजनीति में भाग लेने से ही हम 'समाज के दबाव समूह' का निर्माण कर सकते हैं। राजनीतिक चेतना एक निरंतर प्रक्रिया है। इसका कोई विकल्प नहीं है। समाज के अंदर भेद-भाव को बढ़ावा देनेवाली शक्तियों को दरकिनार कर सबल नेतृत्व-निर्माण की आवश्यकता है। हम अगर अपने अंदर राजनीतिक चेतना का विकास नहीं करेंगे तो हमारी अनदेखी का दोष किसी पर मढ़ने से कोई लाभ नहीं होगा। मतदान हमारा संवैधानिक अधिकार एवं कर्त्तव्य दोनों है। हमारी राजनीतिक चेतना का शुरूआत हम शत-प्रतिशत मतदान से कर सकते हैं। समाज को इस तथ्य के प्रति जागरूक होना होगा। जो भी समाजबंधु राजनीति में सक्रिय हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना एवं उनका सहयोग करना हमारा कर्तव्य है। राजनीतिक चेतना के अभाव में कई विसंगतियाँ पनपती हैं। इसके प्रति समाज में सतर्कता आवश्यक हैं।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

समाज का मतदान शत प्रतिशत हो

– सन्तोष सराफ

लोकसभा चुनाव को भारतीय गणतंत्र का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। एक समय था कि जब संविधान के माध्यम से हमने गणतंत्र को राज्य का माध्यम चुना तो यह शंका प्रकट की जाती थी कि गरीवी, अशिक्षा से जूझते हुए समाज में गणतंत्र की सफलता संदिग्ध है। पिछले ७० वर्षों में भारतीय जनता ने इस धारणा को निर्मूल सिद्ध किया है। चुनाव की प्रक्रिया के माध्यम से अनेकों सरकारें पलटी गई हैं। भारतीय जनता ने इस मामले में अपनी परिपक्वता से पूरे विश्व को अचम्भे में डाल दिया है। गणतंत्र एवं प्रजातंत्र अपनी जड़ें जमा चुका है।

लोकसभा के चुनाव का प्रथम चरण १२ अप्रैल को सम्पन्न हुआ है। सम्मेलन सदैव से समाज में राजनैतिक चेतना के महत्व पर जोर देता आ रहा है। 'कोषाध्यक्ष नही अध्यक्ष बनो' के तहत समाज के व्यक्तियों को राजनीति में एवं राजनीतिक दलो में अपनी पैठ बनाने पर जोर दिया था। यह सक्रियता सिर्फ चुनाव के समय ही नहीं बल्कि इसके आगे-पीछे भी चलती रहनी चाहिए। राजनीति भी सेवा का माध्यम है। राजनीति भी समाज को गढ़ने का माध्यम बन सकता है अगर समर्पित एवं बेदाग नागरिक इसमें अपनी भागीदारी दें।

साधारणतः यह देखा गया है कि हम मतदान की प्रक्रिया में शत-प्रतिशत भाग नहीं लेते। मतदान के महत्व की अनदेखी कर देते हैं। इसका खामियाजा पूरे समाज को झेलना पड़ता है। हमारी पहचान एवं दबदबे के लिए समाज को शत-प्रतिशत मतदान में अवश्य भाग लेना चाहिए। मैं सभी समाजबंधुओ से निवेदन करूँगा कि अपने-अपने क्षेत्र में स्वयं मतदान करें एवं परिवार एवं समाज के लोगों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करें। सम्मेलन किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष-विपक्ष में अपनी राय नहीं देता। यह सभी नागरिकों का व्यक्तिगत फैसला है। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश जैसे इलाकों में अपनी सक्रियता के बलबूते पर अनकों समाजबंधु अपनी पहचान बनाये हैं। उद्योग, व्यापार आदि क्षेत्रों में समाज का प्रतिनिधित्व असरदार है पर राजनैतिक पहचान हुए बिना समाज की वाणी ज्यादातर अनसुनी रह जाती है।

इस सिलसिले में मैं सभी प्रांतीय अध्यक्षों से अनुरोध करूँगा कि इस विषय में समाज में जागरूकता फैलाने का पुरजोर प्रयास करें। केन्द्रीय स्तर पर इस दिशा में प्रयास किया जा रहा है। 'प्रभात खबर' समाचार समूह के साथ मिलकर इस दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं। यह एक सोचनीय विषय है कि राजनीति में समाजबंधुओं का प्रतिनिधित्व नगण्य है। इस दिशा में नीचले स्तर से यानि पंचायत या पौर निगम स्तर से राजनीतिक सक्रियता की आवश्यकता है।

समाज की आवाज को मजबूती प्रदान करने के लिये सम्मेलन ने 'संगठित समाज सशक्त आवाज' का नारा स्वीकार किया गया था। इस दिशा में गत सत्र से ही पुरजोर प्रयास चल रहा है। यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि जून २०१८ के बाद से वर्तमान सत्र के १० महीनों में केन्द्रीय कार्यालय में प्राप्त हुए आकड़ों के अनुसार ६००० से भी अधिक नये सदस्य बने हैं। यह एक रिकार्ड है। इसमें ५३ विशिष्ट संरक्षक सदस्य भी शामिल हैं। इस दिशा में बिहार एवं उत्कल प्रांतों से सर्वाधिक बढ़ोतरी हुई है। पश्चिम बंगाल शाखा ने भी नये सदस्यों में १००० से अधिक का इजाफा किया हैं। बिहार, उत्कल, पश्चिम बंगाल के प्रांतीय अध्यक्ष बधाई के पात्र हैं। मुझे आशा है कि अन्य प्रांत भी इस दिशा में अपना ध्यान देंगे एवं संगठन को मजबूत करने के हर सम्भव प्रयास करेंगे।

इस माह वैशाखी के अवसर कई प्रांतों में त्यौहार का पालन किया जायगा। इस शुभ अवसर पर मैं अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

जय समाज, जय राष्ट्र!

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब दो करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में ५२ लाख रुपयों से अधिक का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other human rights."

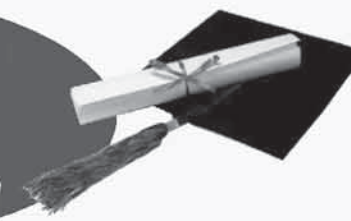

उदारहृदय समाजबंधुओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार !

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

आगामी चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हो लक्ष्य : संतोष सराफ

"आम चुनाव जनतंत्र का महायज्ञ है और हर नागरिक का पुनीत कर्त्तव्य है कि इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। लोकतंत्र की मजबूती के लिए हम सबका राजनैतिक प्रक्रिया में शामिल होना अनवार्य है।" ये उद्‌गार हैं अखिल भारतवर्षीय

मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** के जो उन्होंने गत ६ अप्रैल २०१९ को सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में व्यक्त किए। बैठक सम्मेलन के शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित केन्द्रीय सभागार में आयोजित की गई।

श्री सराफ ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में सर्वप्रथम सभी उपस्थितों, विशेषकर कोलकाता के बाहर से पधारे सदस्यों, का स्वागत किया और सबको नवसंवत्सर विक्रमी संवत २०७६ की मंगलकामनायें दी। सम्मेलन के हालिया कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि **सम्मेलन के होली प्रीति मिलन सह सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री रमेश चन्द्र लाहोटी का सारगर्भित वक्तव्य विद्वतसमाज में चर्चित रहा।** श्री सराफ ने बताया कि सम्मेलन के

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विजय किशोरपुरिया** (पटना) ने इस समारोह के आयोजन में साढ़े तीन लाख रुपयों की सहयोग राशि दी है। उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ श्री किशोरपुरिया का आभार व्यक्त किया। आगामी कार्यक्रमों के विषय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सम्मेलन राजनैतिक चेतना एवं मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए बहुबिध प्रयास करता रहा है और आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान भी हर सम्भव प्रयास किए जायेंगे।

श्री सराफ ने बताया कि हाल के महीनों में सम्मेलन की सदस्यता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और इसमें उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री अशोक जालान** एवं बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी** की अग्रणी भूमिका रही है। तेलांगाना में सम्मेलन की प्रादेशिक शाखा की स्थापना एवं तमिलनाडु और कर्नाटक में प्रादेशिक शाखाओं के पुनर्गठन में सक्रिय प्रयासों हेतु उन्होंने सम्मेलन राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण — **सर्वश्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पवन कुमार गोयनका एवं अनिल के. जाजोदिया,** राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री संजय हरलालका** एवं **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका,** राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** की सराहना की। श्री सराफ ने बताया कि सम्मेलन की सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक **श्री बसंत मित्तल** ने पिछले कुछ महीनों में दक्षिण भारत में संगठन-विस्तार हेतु अथक प्रयास किया है और श्री मित्तल को दक्षिण भारत हेतु संगठन-विस्तार का प्रभारी मनोनीत किया गया है।

श्री सराफ ने कहा कि बताया कि इसी माह सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** के सौजन्य से बड़े टेलीविजन का प्रावधान सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय में किया गया है। उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से इनका आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने सम्मेलन के संगठन-विस्तार में प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में सम्मेलन पूरे राष्ट्र में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के हरेक जिले तक सम्मेलन की पहुँच हो, यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए। राजनीतेक चेतना के क्षेत्र में सम्मेलन के कार्यक्रमों को श्री शर्मा ने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि सबकी भागीदारी से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लक्ष्यों की प्राप्ति हो सकेगी।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने सम्मेलन की सदस्यता में हुई उल्लेखनीय बढ़ोतरी के लिए सबको बधाई दी और प्रस्ताव रखा कि इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश को उपयुक्त अवसर पर सम्मानित किया जाए। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष स्थापना दिवस समारोह/राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर वित्तीय वर्ष-विशेष में अधिकतम सदस्य बनाने वाली प्रादेशिक शाखा का सम्मान किया जाएगा। साथ ही, सम्मेलन के सारे सम्मान एक साथ ही न देकर, तीन समारोहों — होली प्रीति मिलन, दीवाली प्रीति मिलन एवं स्थापना दिवस/अधिवेशन के अवसर पर देने, और आवश्यकतानुसार पृथक सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने मारवाड़ी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रारम्भ की जा रही पाठशाला के विषय में बताया और सबसे इसके

प्रचार-प्रसार का अनुरोध किया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सम्मेलन की संविधान उपसमिति के चेयरमैन **श्री रामअवतार पोद्दार** ने सम्मेलन के संविधान

में प्रसंगिक संशोधनों हेतु संविधान संशोधन उपसमिति के सदस्यों का आभार प्रकट किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि मारवाड़ी युवक-युवतियाँ अत्यंत मेधावी हैं और अपने परम्परागत उद्योग-व्यापार के अतिरिक्त अन्य सभी क्षेत्रों में भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। अभी हाल में ही घोषित लोक सेवा चयन आयोग (यू.पी.एस.सी.) के परिणामों में यह स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा है। श्री अगरवाला ने प्रस्ताव रखा कि समाज के सफल प्रतिभागियों/उनके अभिभावकों को स्थानीय स्तर पर सम्मानित किया जाए ताकि दूसरों को भी इससे प्रेरणा मिले। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (१६ दिसम्बर २०१८; कोलकाता) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। श्री झुनझुनवाला ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों पर 'महामंत्री की रपट' एवं 'वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों पर कार्यवाही की रपट' भी प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि कार्यकारिणी की गत बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि सम्मेलन के वर्तमान संरक्षक सदस्य, विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं संरक्षक सदस्य के सदस्यता शुल्क के अंतर (रु.५१,००० - रु. २१,००० = रु.३०,०००) का भुगतान कर, संरक्षक सदस्य से विशिष्ट संरक्षक सदस्य बन सकते हैं और इसके लिए समय-सीमा ३१ मार्च २०१९ निर्धारित की गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ प्रान्तों ने प्रस्ताव रखा है कि यह समय-सीमा ३० जून २०१९ तक बढ़ा दी जाय। विचार-विमर्श के बाद संरक्षक सदस्य से विशिष्ट संरक्षक सदस्य में रूपांतरण की सीमा ३० जून २०१९ तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के दौरान एक हजार से अधिक स्थायी सदस्य बनाने वाली प्रादेशिक शाखाओं को प्रति सदस्य सौ रुपये प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया था, इसे आगे जारी रखने के विषय पर निर्णय की आवश्यकता है। विचार-विमर्श के बाद, **यह प्रावधान जारी नहीं रखने का निर्णय लिया गया**।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने बताया कि कुछ प्रादेशिक शाखाएँ सदस्यता हेतु अग्रिम सदस्यता-राशि भेज रही हैं तथा सदस्यों की सूची एवं/या सदस्यता-प्रपत्र बाद में भेज रही हैं। इससे आवश्यक वित्तीय लेखा-जोखा में समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। विचार-विमर्श के उपरांत निर्णय लिया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष से मान्य सदस्यता-प्रपत्र एवं सदस्यता-राशि, दोनों की प्राप्ति के बाद ही केन्द्रीय कार्यालय द्वारा कोई सदस्यता प्रदान की जाएगी। साथ ही, जिन प्रादेशिक शाखाओं से सदस्यता-राशि तो प्राप्त हो चुकी है किन्तु सदस्यता-प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, उनसे १५ मई २०१९ तक सदस्यता-प्रपत्रों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाये।

कोलकाता के मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी अस्पताल के अनुरोध, जिसके अन्तर्गत एक लाख रुपये अनुदान देकर स्थायी रूप से अस्पताल में एक बेड सम्मेलन द्वारा प्रायोजित करने का प्रस्ताव था, पर विचार-विमर्श हुआ और रिलीफ सोसायटी के अनुरोध को स्वीकार करने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने अनुदान-राशि सहयोग के रूप में सम्मेलन को देने का प्रस्ताव किया। सभी उपस्थितों ने करतल ध्वनि से उनका आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने आर्थिक स्थिति पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की और सम्मेलन के डूबत ऋण (बैड डेब्ट) की स्थिति के विषय में बताया। विचार-विमर्श के बाद, समिति ने इस विषय पर,

परस्पर समन्वय कर, निर्णय लेने का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन को दिया।

पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने प्रादेशिक सम्मेलन की गतिविधियों पर चर्चा करते हुए बताया कि हालिया महीनों में पश्चिम बंग सम्मेलन की सदस्यता में अच्छी बढ़ोतरी हुई है, नई शाखाएँ भी स्थापित हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सत्र के प्रारम्भ में उन्होंने संकल्प लिया था कि कम से कम एक हजार सदस्य बनायेंगे, जो वे पूरा कर चुके हैं और वर्तमान सत्र में सदस्य-सं **श्री रमेश कुमार बूबना** ने समाज में टूटते विवाह-सम्बंधों पर चिंता व्यक्त की।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने कहा कि उन्होंने हाल में देश के विभिन्न भागों का दौरा किया है और उन्हें यह पाकर प्रसन्नता हुई कि समाजबंधु सम्मेलन के प्रति बहुत उत्साहित हैं और जुड़ना चाहते है। सम्मेलन के समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. जुगल किशोर सर्राफ, राजनैतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन श्री नंदलाल सिंघानिया, संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया, संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर बिदावतका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, सर्वश्री भानीराम सुरेका, जुगल किशोर जाजोदिया, पवन जालान, केदारनाथ गुप्ता, बिजय डोकानियाँ, नंदलाल साह, गोविन्द केजड़ीवाल, राम कैलाश गोयनका, शिव कुमार गुजरवासिया आदि बैठक में उपस्थित थे।

मतदान : जानने योग्य बातें

- जब आप पोलिंग बूथ पर पहुंचते हैं और पाते हैं कि आपका नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो बस अपना आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र दिखाएं और धारा ४९ए के तहत "चुनौती वोट" माँगें और अपना वोट डालें।
- यदि आप पाते हैं कि किसी ने आपका वोट पहले ही डाल दिया है, तो "टेंडर वोट" माँगें और अपना वोट डालें।
- यदि कोई भी पोलिंग बूथ १४% से अधिक टेंडर वोट रिकॉर्ड करता है, तो ऐसे पोलिंग बूथ में पुनर्मतदान किया जाएगा।
- मतदान बूथ में टेलीफोन लेकर जाने की अनुमति नहीं होती और न बूथ के बाहर रखने की व्यवस्था, इसका ध्यान रखें।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

जो चीज भी आपको शारीरिक, बौद्धिक या आध्यात्मिक रूप से कमजोर करती है, जहर है। उसका तत्काल परित्याग करें।

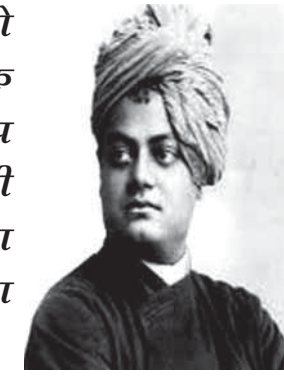

- स्वामी विवेकानंद

लोकतंत्र में सभी हैं राजनैतिक प्रतिनिधित्व के हकदार : सीताराम शर्मा

गत १८ मार्च २०१९ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के कोलकाता-स्थित केन्द्रीय कार्यालय सभागार में, आगामी आम चुनावों के आलोक में, सम्मेलन के राजनैतिक चेतना कार्यक्रम के अन्तर्गत एक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। संवाददाता सम्मेलन को राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परामर्शदाता समिति के चेयरमैन **श्री सीताराम शर्मा** ने संयुक्त रूप से सम्बोधित किया।

श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है कि वह राजनैतिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाये। उसी प्रकार, जिम्मेदार राजनैतिक दलों का भी दायित्व बनता है कि वे किसी वर्ग-विशेष के नहीं बल्कि समाज के हर तबके को राजनीति की मुख्य धारा और राजनैतिक प्रतिनिधित्व में शामिल करने का प्रयास करें। श्री शर्मा ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिन्दी-भाषी एवं मारवाड़ी समाज की हैसियत का विस्तृत विवेचन, तथ्यों सहित, पत्रकार सम्मेलन में प्रस्तुत किया और विषय-वस्तु पर एक लिखित 'निष्कर्ष' पत्रकारों को दिया जिसके उद्धरण साथ बॉक्स में प्रकाशित किए जा रहे हैं।

सन्मार्ग, ए.बी.पी. (आनंद बाजार पत्रिका), स्टार अनुभव न्यूज, दैनिक विश्वमित्र, बर्तमान, राजस्थान पत्रिका, एन.डी.टी.वी., प्रभात खबर, सलाम दुनिया, आदि अग्रणी प्रकाशन समूहों के दर्जनों पत्रकार/संवाददाता अपने फोटो/वीडियो पत्रकारों के साथ पत्रकार सम्मेलन में उपस्थित थे। सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने पत्रकार सम्मेलन का संयोजन किया और प्रबंधन-दायित्व राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** ने निभाया।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिन्दी-भाषी एवं मारवाड़ी समाज की हैसियत

अपनी बड़ी जनसंख्या और लगभग हर क्षेत्र – औद्योगिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक – में अगुवा होने के बावजूद पश्चिम बंगाल में मारवाड़ी राजनीति में हाशिये पर ही रहा है। इस स्थिति में एक लगातार गिरावट स्पष्ट नजर आ रही है। स्वतंत्रता के पूर्व अविभाजित बंगाल की विधान सभा (१९३७-१९४५) में ५ मारवाड़ी सदस्य थे – प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका, ईश्वरदास जालान, देवी प्रसाद खेतान, राजबहादुर मंगतूलाल तापड़िया तथा आनन्दीलाल पोद्दार। द्वितीय विधान सभा का गठन १९४६ में हुआ जिसमें भी मारवाड़ी सदस्यों की संख्या ५ पर ही रही – ईश्वरदास जालान, बसन्तलाल मुरारका, देवी प्रसाद खेतान, आनन्दीलाल पोद्दार एवं नरेन्द्र सिंह सिंघी। इस बीच विधान परिषद में जिन्हें मनोनीत किया गया उनमें थे – एच.पी. पोद्दार, मंगतूराम जयपुरिया एवं विजयसिंह नाहर।

स्वतंत्रता के उपरान्त : १९५२ से २००६ के बीच १४ दफा विधानसभा चुनाव बंगाल में हुए हैं और उनमें लगातार मारवाड़ी प्रतिनिधियों में कमी आई है। १९५२ में बसन्तलाल मुरारका, जयनारायण शर्मा, ईश्वरदास जालान, आनन्दीलाल पोद्दार एवं रंतमल अग्रवाल, कुल ८ उम्मीदवार विजयी हुए। १९६२ में सिफ ३ - आनन्दीलाल पोद्दार, ईश्वरदास जालान एवं विजयसिंह नाहर रह गए। १९६७ में ४ - राजनेन्द्र सिंह, राजनेन्द्र पोद्दार, ईश्वरदास जालान एवं विजयसिंह नाहर थे। १९६९, १९७१ एवं १९७२ में फिर तीन रह गये - देवकानन्दन पोद्दार, रामकृष्ण सरावगी एवं विजयसिंह नाहर। १९७७ में कोई मारवाड़ी नहीं रहा। १९८२, ८७, ९१ एवं १९९६ में केवल दो - देवकीनन्दन पोद्दार एवं राजेश खेतान निर्वाचित हुए। २००१ में केवल एक सत्यनारायण बजाज। २००६ में २९४ विधायको की विधानसभा में एकमात्र मारवाड़ी दिनेश बजाज बच गए। १९५२ की पाँच की संख्या घटते-घटते २००६ में एक रह गयी थी।

संसद सदस्य : १९५२ से २००५ के बीच ५० से अधिक वर्षों में केवल एक मारवाड़ी विजयसिंह नाहर को बंगाल से १९७७ में लोकसभा में निर्वाचित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

राज्यसभा में भी स्थिति कोई बेहतर नहीं रही। १९५२ में एक - बेनीप्रसाद अग्रवाल, १९६२ में पुनः एक - पन्नालाल सरावगी, १९६४ में एक - रामकुमार भुवालका और १९९० में एक - सरला महेश्वरी। १९६४ से १९९०, २६ वर्षों के बीच कोई मारवाड़ी विधानसभा से राज्यसभा के लिए निर्वाचित नहीं हुआ।

बंगाल विधानसबा से १६ सदस्य राज्यसभा के लिये निर्वाचित होते हैं। वर्तमान में १६ सदस्यों में से एक भी सदस्य मारवाड़ी नहीं है।

राज्यसभा में मनोनीत सदस्यों में भी स्थिति दयनीय है। १९५२ से २०१९, आज तक किसी भी मारवाड़ी या हिंदी भाषाभाषी को राज्यसभा में मनोनीत नहीं किया गया है। अंतिम मनोनयन २०१९ में श्रीमती रूपा गांगुली का किया गया है।

हिंदी भाषा-भाषी : हिंदी भाषा-भाषियों की स्थिति भी बहुत संतोषजनक नहीं रही है। एक तरफ जहाँ विधानसभा की कुल सदस्यता १९५२ में १८६ से बढ़कर २००६ में २९४ तक पहुँच गयी यानि १०७ सीटों की बढ़ोतरी, वही हिंदी भाषा-भाषी विधायकों की संख्या १९५२ में ११ से घटकर २००६ की विधानसभा में केवल ६ रह गयी।

बंगाल से लोकसभा में हिंदी भाषा-भाषियों का निर्वाचन इक्का-दुक्का ही रहा है। १९५२ से २००५ के बीच हुए १५ संसदीय चुनाव में केवल दो – १९७७ में विजयसिंह नाहर एवं १९८० तथा ८४ में मेदिनीपुर से नारायण चौबे। १९९१ एवं २००५ में दार्जीलिंग से इन्द्रजीत एवं जसवंत सिंह गोरखा लीग से निर्वाचित हुए, पर वे पश्चिम बंगाल से नहीं थे।

१९६८ से १९९० तक २२ वर्षों में बंगाल से कोई भी हिंदी भाषा-भाषी राज्यसभा सदस्य नहीं था। १९९० में सरला माहेश्वरी, १९९३ में चंद्रकला पाण्डेय, २००२ में दिनेश त्रिवेदी तथा २०१२ में विवेक गुप्त निर्वाचित हुए।

राज्यसभा में बंगाल से वर्तमान १६ सदस्यों में मारवाड़ी एवं हिंदी भाषा-भाषी के रूप में केवल दो है – अभिषेक मनु सिंघवी एवं के.डी. सिंह – जो दोनों ही बंगालवासी नहीं हैं।

हिंदी भाषा-भाषी मंत्री : १९५२ के पहले मंत्रिमंडल में ईश्वरदास जालान मंत्री थे। उसके बाद १९७७ तक कम से कम एक हिंदी भाषा-भाषी मंत्री रहा। फिर १९७७ से २०१६, प्रायः ४० वर्षों से अधिक तक, कोई हिंदी भाषा-भाषी मंत्री नहीं रहा। मारवाड़ी तो आज भी नहीं है। २०१६ में लक्ष्मी रतन शुक्ला को छोटा मंत्री बनाया गया।

१९४७ से आज २०१९ तक बंगाल से केन्द्र में इक्के-दुक्के हिंदी भाषा-भाषी मंत्री रहे — दिनेश त्रिवेदी एवं एस. एस. अहलूवालिया।

यह एक तथ्य है कि एक तरफ जहाँ राज्य में हिंदीभाषी जनसंख्या में लगातार वृद्धि हुयी है, वहीं राजनैतिक प्रतिनिधित्व में कमी आई है। इसके लिये क्या हिंदी भाषा-भाषियों की सक्रिय राजनीति के प्रति उदासीनता जिम्मेवार है या राजनैतिक चेतना का अभाव? राज्य की बड़ी राजनैतिक पार्टियों का यह दायित्व बनता है कि प्रांत के सभी वर्गों एवं समुदायों के सह-प्रतिनिधित्व के लिये प्रयास करें। अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में मुस्लिम समुदाय का समुचित प्रतिनिधित्व है, जो सर्वथा उचित है।

मारवाड़ी समाज में राजनैतिक चेतना भी आवश्यक है। हमारा तात्पर्य है, मतदाता सूची में अपना नाम लिखवायें, मतदान में हिस्सा लें एवं अपनी राजनैतिक सोच एवं विचार के अनुसार, देश की राजनीति में सक्रिय भागीदारी निभायें। चुनाव के दिन को छुट्टी नहीं समझ कर मतदान केंद्र में आयें।

यह भी एक तथ्य है कि हिंदी भाषा-भाषी बाहुल्य विधानसभा क्षेत्रों में मतदान का औसत बंगाल के औसत से बहुत कम रहता है – यह उनकी मतदान के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। उदाहरण के तौर पर २०१६ के विधानसभा चुनाव में बंगाल के मतदान के औसत ८०-८५ प्रतिशत की तुलना में जोड़ासांकू में मतदान केवल ५३.७३ प्रतिशत था।

हिन्दी भाषा-भाषी समाज पश्चिम बंगाल के चतुर्दिक विकास में कई दशकों से अपना महत्वपूर्ण योगदान देता आ रहा है। कई विधानसभा क्षेत्रों में हिंदीभाषी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन अभी तक राजनैतिक क्षेत्र में उन्हें वह भूमिका नहीं मिली है जिसके वे हकदार हैं। सभी राजनैतिक दल चुनाव के समय हिंदीभाषियों को फुसलाते तो हैं पर सिर्फ वोट बैंक के लिये।

कहा जाता है कि जितने मारवाड़ी राजस्थान के किसी एक शहर में नहीं बसते, उससे कहीं अधिक संख्या में कोलकाता में हैं। वर्त्तमान में २९४ की विधानसभा में मात्र दो मारवाड़ी सदस्य हैं।

हिंदीभाषियों के राजनैतिक प्रतिनिधित्व का प्रश्न जितना महत्वपूर्ण है उतना ही आवश्यक है प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी एवं सर्वोपरि अधिकतम मतदान। आपका वोट ही आपको राजनैतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करा सकता है।

हिंदीभाषी आरक्षण की माँग नहीं करता लेकिन राजनैतिक प्रतिनिधित्व की आशा करता है। राजनैतिक दल हिंदीभाषी प्रार्थियों के मनोनयन को प्राथमिकता देने पर विचार करें। हाल के चुनावों में इसमें कमी आयी है। लोकसभा २०१९ के चुनाव का बिगुल बज गया है – प्रमुख राजनैतिक दल अपने प्रार्थियों के मनोनयन के समय इन तथ्यों पर विचार करेंगे, यह हमारी आशा है।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

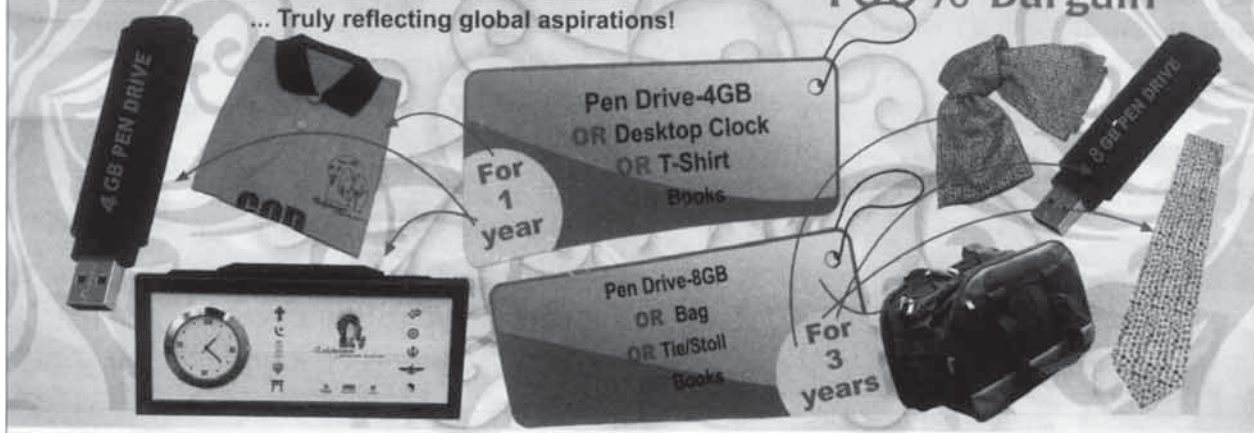

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students / Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : _____

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully™

Anmol

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:

Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:

Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:

Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:

6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:

Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

कठिन परिश्रम से हर मुक़ाम पाया जा सकता है : दीपक केडिया
सामाजिक एकता का प्रतीक है यह कार्यक्रम : मधुसूदन सीकरिया

मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा द्वारा होली मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन अत्यंत सुंदर तरीके से श्री गौहाटी गौशाला प्रांगण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग के लोग बिना किसी भेदभाव के एकत्रित होकर एक दूसरे की सलामती की कामना करने के साथ ही बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

लगभग दो हज़ार समाजबंधुओं की उपस्थिति में, सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रारंभ में संयोजक रमेश चाँडक ने आयोजक शाखा के अध्यक्ष साँवरमल अग्रवाल एवं कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका के पश्चात् मुख्य अतिथि स्वरूप श्री दीपक केडिया, आई.पी.एस., विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी आर. जी. हरलालका, गुवाहाट ी शाखा के पुरोधा ललित धानुका, संरक्षक अशोक धानुका, विशिष्ट सहयोगी प्रदीप भड़ेच, सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित अग्रवाल, सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री राजकुमार तिवाड़ी, सम्मेलन की कामरूप व गुवाहाट ी महिला शाखा के अध्यक्ष क्रमशः श्री पवन जाजोदिया एवं श्रीमती कंचन केजरीवाल सहित आयोजक शाखा के पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के सम्मान के साथ ही उनके कर-कमलों से गणेश पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर हुई। शाखा के अध्यक्ष साँवरमल अग्रवाल ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए गावाहाटी शाखा की उल्लेखनीय गतिविधियों पर प्रकाश डाला। प्रांतीय अध्यक्ष सीकरिया ने अपने वक्तव्य में सामाजिक एकता पर बल देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में हमें अपनी पहचान बनाए रखने के लिए मिल-जूल कर आगे बढ़ना होगा, तभी हम अपनी बातें प्रभावशाली तरीके से रख पाने में सफल रहेंगे। उन्होंने सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा द्वारा प्रत्येक वर्ष होने वाले इस कार्यक्रम की खुलकर प्रशंसा की। मायुम के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने सम्मेलन व मंच द्वारा संयुक्त रूप से कार्ययोजना हाथ में लेने का सुझाव दिया। मुख्य अतिथि श्री केडिया ने अपने सारगर्भित सम्बोधन में सम्मेलन के इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए इसके लिए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने अपने जीवनकाल के संघर्ष के विषय में भी बताया। उनके सम्बोधन की मुख्य विशेषता यह रही कि उन्होंने अपना वक्तव्य राजस्थानी भाषा में प्रस्तुत किया। इससे पूर्व पुलकित भुवालका ने मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय पढ़ कर सुनाया।

कार्यक्रम के अगले चरण में सरस्वती डाँस अकादमी द्वारा सुमधुर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से हुई। देश के वीर जवानों को समर्पित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन रमेश चाँडक एवं पुलकित भुवालका ने अलग ही अन्दाज़ में किया। कार्यक्रम के अंत में शाखा के मंत्री शंकर बिड़ला ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

समाचार सार

पूर्वोत्तर सम्मेलन की समरसता महासभा

पूर्वोत्तर सम्मेलन द्वारा गुवाहाटी में स्थानीय संस्थाओं के साथ एक समरसता महासभा आयोजित की गई। चित्र में विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ परिलक्षित हैं।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का होली प्रीति सम्मेलन

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत १७ मार्च २०१९ को ४०, आयरन साइड रोड, कोलकाता में होली प्रीति सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री नन्द किशोर अग्रवाल** ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष आईपीएस **श्री शशिकान्त पुजारी** और अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** उपस्थित थे। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के तौर पर श्री दिनेश सेकसरिया, श्री ओम जालान, श्री ललित बेरीवाल, श्री शंकर लाल कारीवाल, श्री प्रदीप राजवासिया उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने प्रधान वक्ता के रूप में सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की नई पीढ़ी मारवाड़ी भाषा, संस्कार एवं संस्कृति को भूलती जा रही है। इस पर गहन चिन्तन करने के साथ ही जागरूकता लाने की जरूरत है।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने सम्मेलन द्वारा किये गये कार्यों का विवरण दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में मारवाड़ी समाज की विशेष पहचान के लिए संगठन को मजबूत करन की जरूरत है। सम्मेलन के सक्रिय पदाधिकारियों और सदस्यों को विशिष्ट सम्मान पत्र प्रदान किए गय। इसके साथ विभिन्न समाचार पत्रों के संपादकों को शॉल एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक श्री विश्वनाथ खरकिया ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

समारोह में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री रामअवतार पोद्दार एवं श्री प्रह्लाद राय अगरवाला के अलावा श्री घनश्याम प्रसाद सोभासरिया उपस्थित थे। इसके अलावा राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी आदि उपस्थित थे। समारोह में सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री बिजय गुजरवासिया व श्री बिजय डोकानिया भी उपस्थित हुए। पश्चिम बंगाल के महिला सम्मेलन की श्रीमती मंजुश्री गुप्ता, श्रीमती सुनिता गोयल, श्रीमती पुष्पा चौधरी, श्रीमती रेनू अग्रवाल, श्रीमती बबिता बगड़िया आदि ने उपस्थित होकर समारोह की गरिमा बढ़ाई। इसके साथ सम्मेलन के सदस्यों परिवारसहित समारोह में पधारकर सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाते हुए कार्यक्रम का आनन्द उठाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री शिवकुमार अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री, उपाध्यक्ष श्री शिवकुमार सराफ, उपाध्यक्ष श्री निर्मल सराफ, संगठन मंत्री श्री गोपी धुवालिया, श्री कमल सरावगी, प्रांतीय सह-महामंत्री, श्री पंकज केडिया, सह-महामंत्री, श्री अनिल डालमिया, श्री आकाश गुप्ता, श्री शंभु मोदी आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

बधाई!

ललित गर्ग राजभाषा विभाग के हिंदी विद्वानों में चयनित

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी विद्वानों में श्री ललित गर्ग को चयनित किया गया है। 'समाज विकास' की ओर से हार्दिक बधाई!

बंगाल की समृद्धि में राजस्थानियों का अनुपम अवदान – राज्यपाल त्रिपाठी

राजस्थान दिवस समारोह २०१९ में अध्यक्षीय वक्तव्य रखते हुए पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी। अन्य परिलक्षित है (बाएँ से) सर्वश्री बंशीधर शर्मा, महावीर बजाज, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, बेणुगोपाल बांगड, अरुणप्रकाश मल्लावत एवं शार्दूलसिंह जैन।

'प्रवासी राजस्थानी समाज के लोग कोलकाता में रहते हुए भी अपनी मातृभूमि राजस्थान के प्रति अनुराग रखते हैं। राजस्थान की सभ्यता-संस्कृति को जीवंत रखते हुए राजस्थानियों ने अपने उद्यम से बंगाल की समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योग दिया है।' ये उद्‌गार हैं पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल **श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** के, जो गत ३१ मार्च २०१९ को राजस्थान परिषद द्वारा ओसवाल भवन में आयोजित ७०वें राजस्थान दिवस समारोह में बतौर अध्यक्ष बोल रहे थे।

राज्यपाल त्रिपाठी ने कहा कि अपनी सभ्यता से कटकर तथा पूर्वजों की परम्परा से हटकर कोई भी समाज उन्नति नहीं कर सकता; इस बात को समझते हुए प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी धरती से जुड़ाव कायम रखा है। उन्होंने इस संदर्भ में यूरोप के उन देशों का संस्मरण दिया जो अपनी संस्कृति से कटकर विलुप्त हो गए हैं।

समारोह के प्रधान अतिथि **श्री बेणुगोपाल बांगड** ने राजस्थान परिषद के कार्यक्रमों की सराहना की तथा परिषद् के प्रयत्नों से महाराणा प्रताप की भव्य कांस्य प्रतिमा की स्थापना का उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि **डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी** ने राजस्थानी समाज की विविध संस्थाओं के सेवाभाव की चर्चा करते हुए इस बात की प्रशंसा की कि राजस्थान के मूल निवासी देश के जिन-जिन स्थानों पर जाते हैं, वहाँ की सभ्यता संस्कृति से समरस होते हुए अपनी संस्कृति को जीवंत रखते हैं।

उपाध्यक्ष **श्री महावीर बजाज** ने राजस्थान के औद्योगिक विकास के बारे में बताते हुए कहा कि राजस्थान अब बीमारू प्रदेश नहीं रहा है बल्कि पेट्रोल, आइ. टी., सौर ऊर्जा, खनिज एवं कृषि उत्पाद के क्षेत्र में नए सोपानों के माध्यम से द्रुत गति से विकास की ओर बढ़ रहा है। इसी संदर्भ में प्रकाशित 'विकसित राजस्थान' स्मारिका का लोकार्पण महामहिम राज्यपाल के कर कमलों से हुआ।

स्वागत भाषण दिया परिषद के अध्यक्ष **श्री शार्दुलसिंह जैन** ने तथा धन्यवाद ज्ञापन किया महामंत्री **श्री अरुण प्रकाश मल्लावत** ने। कार्यक्रम का कुशल संचालन किया प्रख्यात राजस्थानी कवि **श्री बंशीधर शर्मा** ने।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की आसनसोल शाखा का उद्‌घाटन

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की आसनसोल शाखा का उद्‌घाटन दिनांक ७ मार्च २०१९ को श्री श्याम मंदिर प्रांगण आसनसोल में सम्पन्न हुआ।

इस शुभ अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष **श्री नन्द किशोर अग्रवाल** ने उपस्थित व्यक्तियों का आह्वान किया कि हम सबको मिलकर समाज को आगे ले जाने की आवश्यकता है। मारवाड़ी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं बच्चों में अपनी भाषा का प्रचार करना। प्रांतीय अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि राजनीति के क्षेत्र में समाज के लोगों की भागीदारी बढ़े। कार्यक्रम में **श्री नरेश अग्रवाल** को आसनसोल शाखा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावा श्री मनोज अग्रवाल को सचिव एवं श्री आनन्द पारीक को कोषाध्यक्ष का पद दिया गया। उक्त अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शिवकुमार सराफ एवं श्री विश्वनाथ खरकिया, संगठन मंत्री श्री गोपी धुवालिया, समाजसेवी श्री राजेन्द्र प्रसाद खेतान, श्री सत्यनारायण दारूका, डॉ. जे. के. खण्डेलवाल उपस्थित रहे। आसनसोल शाखा के मनोनीत अध्यक्ष श्री नरेश अग्रवाल ने कहा कि वे पूरी निष्ठा से अध्यक्ष पद का दायित्व निभाने की कोशिश करेंगे।

Rajasthani Bhasha Pathshala

राजस्थानी भाषा पाठशाला

An initiative of All India Marwari Federation in association with Srihari Global IISD Foundation

वैदिक प्रार्थना
शब्द
कहानियाँ
कवितायें
नाटक

Extempore
Art works
Folk Dances
Audio n visual
&
Snacks also

कहावतें
मुहावरे
त्योहार
संस्कृति
इतिहास

3 Month Course
Rs. 2500

From 7th May, 2019

Certificate
on
Completion

Class Timing: Twice a week
Every Tuesday & Thursday

Timing : 4.30pm to 6.00pm

Faculty : Smt. Anuradha Sadani - 9831337117

To Enroll contact: 1) Abhilash Dubey - 033 4004 4089
2) Vickey Modi / Rumela Sarkar - 033 4600 1626

Pathshala : 18, Ballygunge Circular Road, Kolkata - 700019

Office: All India Marwari Federation, 4b duckback house, 41 Shakespeare Sarani, Kolkata - 700017
Ph: 033 4004 4089 | Email: aimf1935@gmail.com

Rajasthani Bhasha Pathshala
राजस्थानी भाषा पाठशाला

Srihari Global IISD Foundation

Office: All India Marwari Federation, 4B Duckback House, 41 Shakespeare Sarani, Kolkata - 700017
Ph: 033 4004 4089 | Email: aimf1935@gmail.com
Pathshala: 18, Ballygunge Circular Road, Kolkata - 700019 | Ph: 033 4600 1626

Admission Form

Photo

Name in Full (Ms/Mr/Mast): .....

Parent's/Guardian's Name:.....

Permanent Address: .....

.....

Contact No: ..... Email ID.....

Correspondence Address: .....

.....

Date of Birth: .....Gender .....

Address Proof:.....(Please enclose copy)

Educational Qualification:

SCHOOL / UNIVERSITY	CLASS / QUALIFICATION	2nd LANGUAGE

Fees : Rs. 2400.00(3 Month Course), Rs. 100.00(Registration)
To be Paid at AIMF office / Pathshala

How did you learn about us? (Please Tick)

- ☐ Print Media (Newspaper, Magazine, etc)
- ☐ Social Media (FB, Linkedin, Twitter, etc)
- ☐ Friends/Family
- ☐ School/Alumni

.....
Signature

सूरत के समाजबंधुओं के सेवाकार्य प्रेरणाप्रद : गोवर्धन गाड़ोदिया

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एवं गुजरात के प्रभारी) **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** के गत १९ मार्च २०१९ को सूरत प्रवास के दौरान गुजरात सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री जयप्रकाश अग्रवाल** एवं अन्य पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक हुई जिसमें संगठन-विस्तार सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। श्री गाड़ोदिया ने बताया कि सूरत में समाजबंधुओं के सेवाकार्यों ने उन्हें बहुत प्रभावित किया है, जिनमें एक उल्लेखनीय है श्री जयप्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा **अन्नपूर्णा भोजनालय**। इसके अन्तर्गत ११ ट्रस्टियों ने एक कोष बना रखा है जिसके ब्याज से मात्र ३० रुपये की सहयोग राशि पर हर वर्ग के लोगों को बढ़िया, शुद्ध, सात्विक भोजन मिलता है। उन्होंने बताया कि एक अन्नपूर्णा रथ भी प्रारम्भ किया गया है जो १० रूपये में ८ रोटी, सब्जी एवं खिचड़ी गरीब ईलाकों में वितरित करेगा।

(बायें) गुजरात सम्मेलन के अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ श्री गाड़ोदिया,
(दायें) श्री गाड़ोदिया अन्नपूर्णा भोजनालय में।

लघुकथा

धर्म राज रो कुत्तो

भ्रष्टाचार री महाभारत (बारत) विजय करयां पछैं भूतपूर्व मंत्री श्री युधिष्टिर प्रसाद 'धर्मराज', आखरी जातरा उपर निसरया अर ससरीर सुरग जावण री खातर कैलास रै सिखरां चढ़ण लाग्या। बां रै लारै बां री घरवाळी द्रोपति पंचभर्ता ही अर बीं रै लारै च्यारू भाई, अर्जुन प्रसाद ठेकेदार, भीम सिंह इंजीनियर, नकुलदेव होजरीवाळा अर सहदेव सिंह पोल्ट्रीवाळा हा।

कैलास रै सिखरां उपर ध्यानमगन चालतै धर्मराज नै चाणक लारै सूं सुणीज्यो भाई सा'ब! हूँ पड़ूं, म्हनै बचाओ!

धर्मराज बोल्यो—डरै मत, कियां ई कर'र म्हारै तांई पूगज्या फेर थानै हूँ म्हारै साथै ले ले सूं।

सहदेव सिंह डगमगायो अर जाणै किसी हिमकन्दरा मांय विलीन दुग्यो। आ री आ बात अर्जुन प्रसाद ठेकेदार, भीम सिंह इंजीनियर जनै नकुल होजरीवाळ रै साथै हुई। सगा रै अखीर मांय द्रोपति चिरळाई अर—मन्यु रा बाजी, हूँ पड़ूं हूँ, री जाणकारी दे'र अदीठ हुगी।

धर्मराज पण संजम नईं खोयो अर आगै बधतो गयो। जियांई बो कैलास रै आखरी पड़ाव पूग्यो, अचाणचक च्यारू कानीं अंधेरै रा पाट मिलग्या। जमराज खुद बीं रै सामीं परगट हुया अर बोल्या—

कळजुगी कीड़ा! आखी उमर जनता रो खुन पी-पी'र तूं आ जिकी सुखा री कामना करी है, ई स्यूं तेरै पाप रो घड़ो जावक भर चुक्यो है। अब तनैं ससरीर रोरव नरक मांय जावणो हुवैलो। आ, हूँ हणैईं तनैं नरक मांय पुगा देऊं।

मंत्री लारै मुड़'र देख्यो। कोई नईं हो। फकत बीं रो एक चमचो कियांई कर'र बीं रै साथै पुग्यो हो। मंत्री बीं चमचै कानी सैन कर जमराज नै बुइयो—अर महाराज, ओ!

ओ नईं जा सकै। जमराज बोल्या—आ आज तांई कणाईं नहीं हुईं, कै कोई चमचो ससरीर नरक गयो हुवै। पापां रो मूळ तो तूं है, ओ दुरभाग फकत थारी खातर ई है।

मंत्री लौर झांक'र देख्यो, चमचो पाछा तेतीसा देवण री फिराक मांय हो। बीं लपक'र बीं रा कण्ठ झाल लिन्धा अर जरू करतो थको बोल्यो छिमां चाऊं महाराज! जे ओ नईं जा सकै तो हूँ भी नईं जावूंलो। म्हारी हरेक बुराई मांय ओ छापा री दांई म्हारै साथै रैयो है। अब ई साळै नै हूँ लौर नईं छोडूं ला।

मंत्री रै ईं हठ रै आगै जमराज नै झुकणो पड्यो। बां एक ओर भैंसों मंगवायो अर दोनां नै ससरीर नरक मांय लेग्या।

– श्री मोहन आलोक

स्वस्थ जीवन : कुछ सलाह

- खाना खाने के डेढ़ घंटे बाद ही पानी पीना है।
- पानी घूँट-घूँट करके पीना है जिससे अपनी मुँह की लार पानी के साथ मिलकर पेट में जा सके। पेट में अम्ल बनता है और मुँह में छार, दोनों पेट में बराबर मिल जाएँ तो कोई रोग पास नहीं आएगा।
- पानी कभी भी ठंडा (फ्रीज़ का) नहीं पीना है।
- सुबह उठते ही बिना कुल्ला किए २ ग्लास पानी पीना है। रात भर जो अपने मुँह में लार है वो अमूल्य है, उसको पेट में जाना ही चाहिए।
- खाना, जितने आपके मुँह में दाँत हैं, उतनी बार ही चबाना है।
- ज़मीन पर पालथी मुद्रा या उकड़ूँ बैठकर ही भोजन करें।
- खाने के व्यंजनों में एक दूसरे के विरोधी भोजन एक साथ ना करें, जैसे दूध के साथ दही, प्याज़ के साथ दूध, दही के साथ उड़द दाल, आदि।
- समुद्री नमक की जगह सेंधा नमक या काला नमक खाना चाहिए।
- रीफ़ाइन तेल, डालडा ज़हर है। इसकी जगह अपने इलाके के अनुसार सरसों, तिल, मूँगफली, नारियल का तेल उपयोग में लाएँ।
- दोपहर के भोजन के बाद कम से कम ३० मिनट आराम करना चाहिए और शाम के भोजन बाद ५०० कदम पैदल चलना चाहिए।
- घर में चीनी (शुगर) का उपयोग कम से कम होना चाहिए क्योंकि चीनी को सफ़ेद करने में १७ तरह के केमिकल मिलाने पड़ते हैं। इसकी जगह गुड़ का उपयोग करना चाहिए। आजकल गुड़ बनाने में कॉस्टिक सोडा मिलाकर गुड़ को सफ़ेद किया जाता है, इसलिए सफ़ेद गुड़ ना खाएँ। प्राकृतिक गुड़ ही खायें। प्राकृतिक गुड़ चॉकलेट कलर का होता है।
- घर में कोई भी अल्यूमीनियम का बर्तन, कुकर नहीं होना चाहिए। हमारे बर्तन मिट्टी, पीतल, लोहा, काँसा के होने चाहिए।
- दोपहर का भोजन ११ बजे तक एवं शाम का भोजन सूर्यास्त तक हो जाना चाहिए।
- सुबह भोर के समय तक आपको देशी गाय के दूध से बनी छांछ (सेंध नमक और ज़ीरा बिना भुना हुआ मिलाकर) पीना चाहिए।

(संकलन : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ)

समाचार सार

राजस्थानी-हिन्दी भाषाओं के विश्वप्रसिद्ध महाकवि पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया की कृतियों पर आधारित, उनकी पौत्रवधू श्रीमती नीलम सेठिया की कोलकाता में १८ मार्च २०१९ से २५ मार्च २०१९ तक आयोजित एकल चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी के कर-कमलों से हुआ। चित्र में महामहिम के साथ श्रीमती नीलम सेठिया एवं उनके श्वसुर श्री जयप्रकाश सेठिया परिलक्षित हैं।

राजिया के अनमोल सोरठे

कीधोड़ा उपकार, नर कृतघण मानै नहीं।
लानत दे ज्या लार, रजी उड़ावो राजिया।।

हे राजिया। जो व्यक्ति किये हुए उपकार को नहीं मानता, वह कृतघ्न कहलाता है। ऐसे कृतघ्न लोग अतीव निंदनीय होते हैं, उन पर लानत देनी चाहिए और उन पर धूल फैंकनी चाहिए। धूल तेरा सिर में, शेखावाटी का पुराना मुहावरा है, कवि का इसी से आशय प्रतीत होता है।

कुटल निपट नाकार, नीच कपट छोड़े नहीं
उत्तम करै उपकार, रूठा तूठा राजिया।।

हे राजिया! कुटिल और बिल्कुल नाकारा-(अकर्मण्य) व्यक्ति कोई अच्छा काम नहीं करते। वे अपना कपट और नीचता कभी नहीं छोड़ते हैं। दूसरी और उत्तम व्यक्ति लोगों का हर अवस्था में उपकार करते रहते हैं। चाहे वे उस व्यक्ति से नाराज हो या चाहे प्रसन्न। उपकार करना उनका स्वभाव बन जाता है।

कुड़ा कूड़ परकास, अणदीठी मेले इसी।
उड़ती रहे अकास, रजी न लागे राजिया।।

हे राजिया। झूठे लोग झूठ का सहारा लेकर ऐसी बात उड़ा देते हैं जिसको आज तक किसी ने नहीं देखा। उनकी कही बात इतनी असंभव एवं अनोखी होती है कि उर पर विश्वास करना सरल नहीं होता। उनके द्वारा कही हुई बात आकाश में उड़ती रहती है और उसे धरती की धूल नहीं लगती। ये बातें हवायी हैं वास्तविक नहीं, अत: उन पर विश्वास नहीं करना चाहिए, यही शिक्षा है।

कूड़ा निलज कपूत, हिया फूट ढांढा असल।
इसड़ा पूत अऊत, रांड जणै क्यूं राजिया।।

हे राजिया! कुछ लोग इस संसार में बड़े नीच और निर्लज्ज होते हैं। वे वास्तव में अविचारपूर्ण पशु की तरह जीवन बिताते हैं। कवि कहते हैं कि बड़ा आश्चर्य होता है कि ऐसे निर्लज्ज और कपूतों को स्त्री जन्म क्यों देती है? उसको ऐसे पुत्रों को जन्म नहीं देना ही उचित है।

शिक्षा-नीचों से दूर रहना अच्छा है।

विदेश में भी गणगौर की धूम

सात समन्दर पार लन्दन की धरती मरुधर के इंद्रधनुषी रंगो से जगमगा उठी जब सजी गणगौर की सवारी, राजस्थानी परिधानों में सजीधजी गणगौरिया के कंठ से गूंजते 'गौर गोमती', 'हंजा मारू' जैसे गीत। जैसे लगा कि ईंगलिस्तान राजस्थानमयी रंगो से सरोबार हो गया।

गणगौर त्यौहार व 'राजस्थान दिवस' के अनूठे संगम का उत्सव लन्दन के हैरो स्थित क्लेरेमॉन्ट हाई स्कूल प्रांगण में राजस्थान एसोसियेशन ऑफ यू.के. के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस आयोजन के दौरान अपने प्रदेश से हजारों मील दूर बसे प्रवासी राजस्थानियों ने एक मंच पर आकर राजस्थान की गौरव गाथा की गूँज से चारों दिशाओं को गुंजायमान कर दिया।

लन्दन में गणगौर उत्सव के साथ राजस्थान दिवस भी पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौर-ईशर की सवारी निकाली गई जिसमें शामिल होने के लिए पूरे ब्रिटेन से लोग आए। गणगौर पूजन के साथ गणगौर की विदाई गीतों से आयोजन अविस्मरणीय बन गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में राजस्थानी गीतों-नृत्यों ने शमां बांध दिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें केवल महिलाओं ने सभी भूमिकाएँ निभाई।

लंदन की फिजां में महा घूमर, चंग की थाप पर स्वयं लिखी गयी फाग के गीत, घुडला धूमे जैसे गीतों पर नृत्यों की प्रस्तुति देखते ही बनती थी। मयूरी, नन्दिनी, अंजलि, मेघना गुरप, शालिनी, मीनाक्षी भाटी, नेहा, सपना, बिन्दु, शिपर, अपर्णा बंग सहित राजस्थानी महिलाओं ने विहंगम प्रस्तुतियों से शमां बांध दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य अपने वतन से मीलों दूर एक श्रृंखला में जुड़कर अपनी संस्कृति को जीवंत बनाना हैं।

इस कार्यक्रम की सफलता के लिए आंचल गोयल, कुसुम नाथावत, मौलश्री पांडे, सृष्टि भाटी, प्रतिभा चौधरी, ज्वाला शेखावत और पीयूषिता गुप्ता ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं।

राजस्थानी साहित्य पुरस्कार २०१९ के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित

कमला गोइन्का फाउण्डेशन द्वारा स्थापित साहित्य पुरस्कार "मातुश्री कमला गोइन्का राजस्थानी साहित्य पुरस्कार" द्विवर्षीय कालावधि में लिखित व प्रकाशित राजस्थानी भाषा की पुस्तकों व साहित्यकारों के राजस्थानी साहित्य में समग्र योगदान के आधार पर दिया जाता है। इस पुरस्कार की राशि रु. १,११,१११/- है।

इसी श्रृंखला में महिला साहित्यकारों के लिए राजस्थानी साहित्य में योगदान को सम्मानित करने के लिए "रानी लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत महिला साहित्यकार पुरस्कार" प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार की राशि ३१०००/- है।

सन् २०१९ के पुरस्कार के लिए राजस्थानी भाषा में प्रकाशित कृतियाँ प्रविष्टि स्वरूप उपरोक्त दोनों पुरस्कारों के अंतर्गत आमंत्रित हैं। प्रविष्टि मुंबई या बैंगलोर स्थित कार्यालय में १५ जून २०१९ तक भेजने का आग्रह किया गया है।

नियमावली व प्रस्ताव-पत्र के लिए तथा संस्था की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.kgfmumbai.com पर या ई-मेल : mumbai@gogoindia.com or kgf@gogoindia.com से सम्पर्क करें।

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - Digital X-Ray
  - Ultrasonography
  - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG
  - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler
  - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
  - Pulmonary Function Test (PFT)
- **Neurology**
  - EMG
  - NCV
  - EEG
- **Gastro Enterology:**
  - UGI Endoscopy
  - Colonoscopy
- **Dental General & Cosmetic**
- **Sleep Study (PSG)**
- **Eye Care Clinic**
- **Ent Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Consultation with leading Specialists**
- **Physiotherapy**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Comprehensive Health Check-up Programmes**
- **Diabetes Care Clinic**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 98300 19073, 97481 22475

98300 19073

Consultation | Diagnostics | Dentistry | Health Checks

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

The Apollo Clinic

P-72, Prince Anwar Shah Road, Kolkata-700 045
Email : pashahroad@theapolloclinic.com

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

उपलब्धि

पखावज से मिली नई पहचान : अनुपमा शर्मा

– माया रानी शर्मा

संगीत की भाषा ही बिश्वजनीन नहीं होती, उसके स्वर भी सम्मोहनकारी होते हैं। संगीत के स्वर मन की गहराइयों में सीधे उतर कर एक ऐसा जादू जगाते हैं कि सर्वत्र स्वर ही स्वर और सब कुछ स्वरमयी दिखाई देने लगता है। जयपुर की अनुपमा शर्मा भी एक ऐसी ही स्वर साधिका हैं जिनके मन में पखावज की थाप का स्वर ऐसा उतरा कि अन्तर्मन सम्मोहित हो गया।

सौम्य चेहरा, सरल स्वभाव और मधुर आवाज की धनी अनुपमा शर्मा के मन में जयपुर के सिटी पैलेस में परम्परागत विरासत प्रशिक्षण शिविर में पखावज की आंस ऐसी समाई कि उसके सम्मोहन में वह ठगी सी खड़ी रही। उसे लगा जैसे हिमालय के शिखर से शिव के डमरू के स्वर झर रहे हों। पखावज की थाप की गूँज ने उसके हृदय में ऐसी धूम मचायी कि उसने इस पुरुष-प्रधान कठिन वाद्य को सीखने का निर्णय ले लिया।

जयपुर में जन्मी अनुपमा के परिवार का संगीत से दूर का भी रिश्ता नहीं है किन्तु उनके दादा नाथूलाल जी लकड़ी के कुशल कारीगर रहे हैं और उन्हें जयपुर सिटी पैलेस का भगवन्तदास अवार्ड भी मिला है। इसी प्रकार नाना हनुमानजी सिरोठिया जयपुर की पुरानी बस्ती के प्रसिद्ध जेवर निर्माता रहे हैं। इस दृष्टि से अनुपमा को संगीत तो विरासत में नहीं मिला किन्तु कला के संस्कार अवश्य मिले।

अनुपमा ने इस कठिन वाद्य को वर्ष २००४ से गुरु-शिष्य परम्परा के तहत छत्रपति सिंह जूदेव के सुयोग्य शिष्य पं. प्रवीण आर्य से सीखना शुरू किया। चूँकि इसे बजाने में बहुत दम लगाना पड़ता है और आकार में बड़ा होने से इसे बजाते समय कंधे भर आते हैं इसलिए इसे 'हाथी का बाज' भी कहा जाता है। यही कारण था कि प्रारंभ में अनुपमा को इसे साधने में कठिनाई का सामना करना पड़ा किन्तु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कुछ अलग से करने की जिद के कारण निरन्तर अभ्यास जारी रखा।

इस दौरान उन्हें कई तरह के व्यंग्य बाण भी सहने पड़े, जैसे – 'पता नहीं यह क्या बजा रही है।' 'इस पर तो पखावज का भूत सवार हो गया है।' 'साइंस पढ़ कर भी इसे ढोल ही पीटना था तो पढ़ाई में समय क्यों खराब किया।' 'इससे इसका कौन-सा कैरियर बन जाएगा।' किन्तु अनुपमा ने किसी की बात पर ध्यान नहीं दिया और आहत या निराश हुए बिना अनवरत साधना करती रही। एक साल के अभ्यास के बाद जब पखावज पर सही थाप लगी और मन में रची-बसी गूँज निकली तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इसके बाद अनुपमा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने पखावज वादन को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। धीरे-धीरे वह अपने गुरु के साथ तथा रामानुज सम्प्रदाय के मंदिर उत्सवों यथा – 'कल्याण उत्सव', 'आचार्य जयंती महोत्सव' और संकीर्तनों में पखावज बजाने लगी। आचार्यों, गुणीजनों तथा लोगों की सराहना से इन्हें प्रोत्साहन मिला तथा उनके आत्मबल में वृद्धि हुई।

जहाँ तक शैक्षणिक योग्यता की बात है वे प्रारंभ से ही पढ़ने में अग्रणी और कुशाग्र बुद्धि की रही हैं। दसवीं कक्षा में उन्हें अधिक अंक लाने पर गार्गी पुरस्कार मिला और बारहवीं कक्षा में विद्यालय में प्रथम रहीं। महारानी कॉलेज से उन्होंने विज्ञान विषय में स्नातक और वनस्पति विज्ञान में स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की। वे सिटी पैलेस के स्कूल में विज्ञान एवं गणित की अध्यापिका भी रही हैं। अनुपमा ने प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद से पखावज विषय में संगीत प्रभाकर एवं भातखण्डे विद्यापीठ लखनऊ से संगीत विशारद किया।

पखावज का यह स्वर वर्ष २०१० में 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' की तर्ज पर पखावज के दूसरे स्वर से मिल गया। पं. प्रवीण आर्य के ही सुयोग्य शिष्य छवि जोशी से इनका विवाह हो गया। पखावज की श्रृंगारपरक आंस तथा वीर रस प्रधान थाप मिलकर दाम्पत्य की सुरीली गूँज बन गई। दिल्ली पब्लिक स्कूल में शिक्षिका और घर में सुशील गृहिणी के दायित्व का निर्वाह करते हुए निरन्तर अभ्यास से वे पखावज के सुरीली चरणों में अपनी कल्पनाओं का रंग भर रही हैं। अब तक अनेक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं में अपने पखावज-वादन से श्रोताओं की प्रशंसा प्राप्त कर चुकी अनुपमा शर्मा को संगीत सुनने और उसे गुनने में गहरी रुचि है।

('स्वर सरिता' से साभार)

स्वास्थ्य ही धन है

बाजरा : गुण ही गुण

बाजरे की रोटी का स्वाद जितना अच्छा है, उससे अधिक उसमें गुण भी हैं। बाजरे की रोटी खाने वाले को हड्डियों में कैल्शियम की कमी से पैदा होने वाला रोग आस्टियोपोरोसिस और खून की कमी यानी एनीमिया नहीं होता। बाजरा लीवर से संबंधित रोगों को भी कम करता है।

गेहूँ और चावल के मुकाबले बाजरे में ऊर्जा कई गुना है। बाजरे में भरपूर कैल्शियम होता है जो हड्डियों के लिए रामबाण औषधि है। उधर आयरन भी बाजरे में इतना अधिक होता है कि खून की कमी से होने वाले रोग नहीं हो सकते। खास तौर पर गर्भवती महिलाओं को कैल्शियम की गोलियाँ खाने के स्थान पर रोज बाजरे की दो रोटी खाना चाहिए। जब गर्भवती महिलाओं को कैल्शियम और आयरन की जगह बाजरे की रोटी और खिचड़ी दी जाती है तो उनके बच्चों को जन्म से लेकर पाँच साल की उम्र तक कैल्शियम और आयरन की कमी से होने वाले रोग नहीं होते हैं। इतना ही नहीं बाजरे का सेवन करने वाली महिलाओं में प्रसव में असामान्य पीड़ा के मामले भी न के बराबर पाए गए। डॉक्टर तो बाजरे के गुणों से इतने प्रभावित हैं कि इसे अनाजों में वज्र की उपाधि देते हैं।

बाजरे का किसी भी रूप में सेवन लाभकारी है। लीवर की सुरक्षा के लिए भी बाजरा खाना लाभकारी है। उच्च रक्तचाप, हृदय की कमजोरी, अस्थमा से ग्रस्त लोगों तथा दूध पिलाने वाली माताओं में दूध की कमी के लिये यह टॉनिक का कार्य करता है। यदि बाजरे का नियमित रूप से सेवन किया जाय तो यह कुपोषण, क्षरण सम्बन्धी रोग और असमय वृद्ध होने की प्रक्रियाओं को दूर करना है। रागी की खपत से शरीर प्राकृतिक रूप से शान्त होता है।

यह एंग्जायटी, डिप्रेशन और नींद न आने की बीमारियों में फायदेमन्द होता है। यह माइग्रेन के लिये भी लाभदायक है। इसमें लेसिथिन और मिथियोनिन नामक अमीनो अम्ल होते हैं जो अतिरिक्त वसा को हटा कर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करते हैं।

बाजरे में उपस्थित रसायन पाचन की प्रक्रिया को धीमा करते है। डायबिटीज में यह रक्त में शक्कर की मात्रा को नियन्त्रित करने में सहायक होता है।

मान्यताओं के वैज्ञानिक पहलू

सिर पर चोटी : हिंदू धर्म में ऋषि-मुनी सिर पर चुटिया रखते थे। आज भी लोग रखते हैं।

वैज्ञानिक तर्क : जिस जगह पर चुटिया रखी जाती है उस जगह पर दिमाग की सारी नसें आकर मिलती हैं। इससे दिमाग स्थिर रहता है और इंसान को क्रोध नहीं आता, सोचने की क्षमता बढ़ती है।

जमीन पर बैठकर भोजन करना : भारतीय संस्कृति के अनुसार जमीन पर बैठकर भोजन करना अच्छी बात होती है।

वैज्ञानिक तर्क : पालथी मारकर बैठना एक प्रकार का योग-आसन है। इस पोजीशन में बैठने से मस्तिष्क शांत रहता है और भोजन करते वक्त अगर दिमाग शांत हो तो पाचन क्रिया अच्छी रहती है। इस पोजीशन में बैठते ही खुद-ब-खुद दिमाग से एक सिग्नल पेट तक जाता है, कि वह भोजन के लिये तैयार हो जाये।

तुलसी के पेड़ की पूजा : तुलसी की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है। सुख शांति बनी रहती है।

वैज्ञानिक तर्क : तुलसी इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है। लिहाजा अगर घर में पेड़ होगा, तो इसकी पत्तियों का इस्तेमाल भी होगा और उससे बीमारियाँ दूर होंगी।

भोजन की शुरूआत तीखे से और अंत मीठे से : जब भी कोई धार्मिक या पारिवारिक अनुष्ठान होता है तो भोजन की शुरूआत तीखे से और अंत मीठे से किया जाता है।

वैज्ञानिक तर्क : तीखा खाने से हमारे पेट के अंदर पाचक तत्व एवं अम्ल सक्रिय हो जाते हैं। इससे पाचन तंत्र ठीक तरह से संचालित होता है। अंत में मीठा खाने से अम्ल की तीव्रता कम हो जाती है। इससे पेट में जलन नहीं होती है।

पीपल की पूजा : तमाम लोग सोचते हैं कि पीपल की पूजा करने से भूत-प्रेत दूर भागते हैं।

वैज्ञानिक तर्क : इसकी पूजा इसलिये की जाती है, ताकि इस पेड़ के प्रति लोगों का सम्मान बढ़े और उसे काटें नहीं। पीपल एकमात्र ऐसा पेड़ है, जो रात में भी ऑक्सिजन प्रवाहित करता है।

दक्षिण की तरफ सिर करके सोना : दक्षिण की तरफ कोई पैर करके सोता है, तो लोग कहते हैं कि बुरे सपने आयेंगे, भूत-प्रेत का साया आ जायेगा, आदि। इसलिये उत्तर की ओर पैर करके सोयें।

वैज्ञानिक तर्क : जब हम उत्तर की ओर सिर करके सोते हैं, तब हमारा शरीर पृथ्वी की चुंबकीय तरंगों की सीध में आ जाता है। शरीर में मौजूद आयरन यानी लोहा दिमाग की ओर संचारित होने लगता है। इससे अलजाइमर, परकिंसन, या दिमाग संबंधी बीमीरी होने का खतरा बढ़ जाता है। यही नहीं रक्तचाप भी बढ़ जाता है।

(संकलन : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ)

लघु कविताएँ

– डॉ. सुनील गज्जाणी

(१)

अर्से से
एक सवाल तुम्हारे लिए रखा है
मौन-से हो
शायद
उत्तर की खोज मे लगे हो तुम।
परंतु सवाल तो बंधक ही है
तुम्हारे उत्तर में
तुम्हारे समक्ष
उत्तर किस सांचे मे ढला होगा
कैसा होगा
अनिश्चित है
परंतु यह निश्चित है
उस सवाल को मोक्ष अवश्य मिल जाएगा
जो घुट रहा है
सिसक रहा है
तुम्हारे मन मे
तुम्हारे मस्तिष्क में!
परंतु मैं एक बात कहूँ
जो तुम्हारे लिए
सवाल भी रहेगा
और मेरा उत्तर भी
जो पूरा सच भी होगा
और मेरा भ्रम भी दूर
जो मुझ में
तुम्हारे प्रति कुछ रचा-बसा है।
अपने चेहरे पर
मेरी इस बात से सवाल मत दर्शाओ
आश्वस्त रहो
मैं तुम्हारी तरह समय नहीं लूँगा
ना ही अपनी भांति
तुम्हे व्यथित करूँगा
बस मनन करना
मुझ-सा क्यूँ नहीं था तुम में
एक विश्वास
एक समर्पण
और सबसे अहम
मुझ-सी चाहत!

(२)

कुछ प्रश्न
स्वयं के लिए
रखता हूँ
परंतु
निरूत्तर पाता हूँ।
प्रश्न बहुत सरल
जीवन के इर्द-गिर्द
ही विचरण लिए
परंतु जीवन
सरल कहाँ
और प्रश्न
खड़े रहते हैं
हर दिन!

(३)

विश्वास नहीं
पीड़ा बहुत है
हृदय में मेरे
तुम्हारी स्मृतियों की
निर्जल पलकें देख यूँ
दोष ना दो
सुनो, फिर सागर को तुम क्या कहोगी
जिसके भीतर
कई सैलाब दफ़न है।

(४)

गुंथ रखा
बहुत सलीके से
उसने अपना प्रेम!
प्रेम अमूर्त
मगर परिभाषित
जैसे उसका प्रेम
देह मुक्त
पर, देह भीतर
रचा-बसा।

(५)

वक़्त
एक शिल्पकार
तराश रहा
आदमी को!
आदमी तुम
सम्पूर्ण तो जन्मे
मगर जिस्मानी
रूप से
भीतर से तो तुम्हे
धीरे-धीरे
वक्त ही तराश
रहा है ना
नये-नये हालात
पैदा कर
है ना!

राजस्थानियों का बंगाल में आगमन

राजस्थानियों ने ब्रिटिश सत्ता के प्रारम्भ से राजस्थान से भारत के विभिन्न स्थानों में आना आरम्भ कर दिया था। बंगाल में भी राजस्थानियों ने आना आरम्भ कर दिया था। वैसे तो सम्राट अकबर के जमाने से ही, १६वीं सदी के मध्य भाग से, बंगाल में राजपूत सेना रहने लगी थी। राजा टोडरमल, मानसिंह अपनी राजपूत सेना के साथ यहाँ आये थे और उसी समय से राजस्थानियों के आने-जाने का प्रमाण मिलता है। परन्तु १९वीं सदी में जगतसेठ के कारण राजस्थानियों का प्रभाव और विस्तार बंगाल में निश्चित रूप से बढ़ गया। राजस्थानी विभिन्न प्रदेशों में कब आये, इसके विस्तृत अध्ययन और खोज की आवश्यकता है। खेद का विषय है कि अभी तक मारवाड़ी समाज ने, इतना समृद्ध होते हुए भी, इस दिशा में समुचित कदम नहीं उठाया। जगत सेठ ने बंगाल में न केवल व्यापार, वाणिज्य ही किया, बल्कि उन्होंने यहाँ के शासन में भी एक अत्यन्त प्रमुख स्थान प्राप्त किया।

सम्मेलन के प्राण-पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान की आत्मकथा से यह आलेख उद्धृत है।

ऐसा कहा जाता है कि हीरानन्द साह नाम के एक ओसवाल सज्जन जोधपुर के नागौर नामक ग्राम से १६वीं सदी के मध्य में पटना आये और व्यापार एवं वाणिज्य का विस्तार कर बड़े धनी हो गये। अब भी पटना में हीरानन्द के नाम से एक गली विद्यमान है। उनके ७ पुत्र थे, जो भारत के विभिन्न प्रान्तों में सराफा (बैंकिंग) का काम कर रहे थे। उनमें से एक पुत्र दिल्ली में थे, जिनका दिल्ली के बादशाह के ऊपर बहुत प्रभाव था और एक पुत्र माणिकचन्द १७०४ में ढाका आये। उस समय बंगाल के नवाब मकसूद अली खाँ थे और बंगाल की राजधानी ढाका थी। मकसूद अली खाँ वहाँ से मकसूदाबाद में आ गये, जो अब मुर्शिदाबाद के नाम से जाना जाता है। उन्हीं के साथ माणिकचन्दजी मुर्शिदाबाद में भी आये, और नवाब के साथ उनका गहरा मैत्री सम्बन्ध हो गया। फलस्वरूप उनका व्यवसाय चमक उठा। सन् १७१४ में उनके मरने के बाद उनके पुत्र फतेहचन्द जगतसेठ हुए, जिन्होंने अपने पिता के व्यवसाय को और भी ऊँचा उठाया। दिल्ली के बादशाह ने उन्हें जगतसेठ की उपाधि दी थी। सन् १७४४ में इनकी मृत्यु के बाद इनके पौत्र मेहताब चन्द जगतसेठ हुए और उनके भाई स्वरूपचन्द को महाराजा की खिताब मिली। इस समय अंग्रेजों के साथ भी उनका सम्बन्ध रहा। सन् १७५७ में पलासी की लड़ाई के पश्चात अंग्रेजों का आधिपत्य बंगाल में कायम हो गया और उसके साथ ही जगतसेठ की सत्ता घटी और १९वीं सदी का अन्त होते-होते उनका धन, वैभव, शौर्य और शक्ति प्रायः विलुप्त हो गई।

जगतसेठ जब अपनी उन्नति की चरम सीमा पर पहुँच चुके थे, उस समय वे भारत में सबसे धनी समझे जाते थे। इनके धन को निश्चित रूप से आँकना तो सम्भव नहीं था, परन्तु यह कहा जाता था कि इनका धन एक करोड़ पौण्ड (लगभग १५ करोड़ रुपये) था। जब मराठों ने मुर्शिदाबाद में इनकी कोठी लूटी तो २ करोड़ रुपये वे उठा ले गये। जगतसेठों ने इसे साधारण बात समझी। उनकी आर्थिक स्थिति और सम्मान पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। एक यह भी किंवदन्ती थी कि जगतसेठों के पास इतने रुपये थे कि वे रुपये यदि भागीरथी नदी में फेंक दिये जायें तो भागीरथी का प्रवाह भी रुक जाय। इंगलैण्ड के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ बर्क ने इनकी तुगना बैंक आफ इंगलैण्ड से दी थी। बंगाल की हुकूमत उस समय इनके इशारे पर नाचती थी। दो हजार घुड़सवार उनके अंगरक्षक के रूप में रहते थे। दिल्ली के बादशाह जब बंगाल के नवाब के लिए शाहो खिलअत भेजा करते थे, तो जगतसेठ के लिए भी अलग से खिलअत आती थी। जब इन्हें जगतसेठ की उपाधि दी गई तो एक एमरल्ड (पन्ना) की मुहर, जिसमें जगतसेठ अंकित था, वह भी इन्हें दी गयी।

मुर्शिदाबाद और अजीमगंज में जो ओसबाल बन्धु आज है, वे भी प्रायः जोधपुर और उसके आसपास से आये हुए हैं, उनकी संख्या भी कम नहीं है। ये सभी जगतसेठ के समय में और उसके बाद यहाँ पर आये और इन्होंने अपना व्यवसाय किया, जमींदारी हासिल की और यहीं बस गये। इन बातों से स्पष्ट है कि १६वीं सदी के प्रारम्भ से ही राजस्थानियों का बंगाल में आना प्रारम्भ हो गया और १६वीं सदी के मध्य से यह प्रवाह तीव्रगति से अग्रसर हुआ।

उपरोक्त बातों से साबित होता है कि राजस्थानियों ने न केवल व्यापार-वाणिज्य में ही प्रवीणता हासिल की थी, बल्कि राजनीति में भी उन्होंने अपने लिये एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया था। यहाँ पर एक कवि की यह उक्ति याद आती है—

'को वीरस्य मनस्विन; स्व विषयः को वा विदेशस्मृतः।
यम देशम् श्रयते तमेव कुरुत्वे बाहुप्रतापार्जिनम्।।'

अर्थात वीर मनुष्यों के लिए कौन अपना देश है और कौन विदेश। जिस देश में वे आते है, उस पर अपने बाहुबल से विजय प्राप्त कर लेते हैं।

('समाज विकास' के जुलाई १९८७ अंक से)

ISO 9001 Certified

ORR TECHNOLOGY

SKIPPER

PIPES

"FIXED FOR LIFE"

COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS

CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE

www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

Gain traction towards the future
PUNCTURE GUARD
MAXI GRIP
For further details regarding Puncture Guard and Maxi Grip contact our neartest branch
HARTEX XTRA POWER
Product featured: HARTEX XTRA Power.
A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX. Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.
So, come join the journey of success.
HARTEX
Hartex Rubber Private Limited, 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills, GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866
www.hartex.in
SUREKA

राजस्थानी प्रेम लोकगाथावां में संजोग-विजोग

– रवि पुरोहित

संजोग सिणगार वरणाव में नायक-नायिका रो सागो, साथ, सामीप्य अर दोवां रो अेकठ हुवणै रो भाव देखणजोग हुवै। वांरी हथाई, बातचीत अर मून-बतळावण परकत रै मानवीकरण रो नवो मुहावरो रचता दीसै। हिवड़ै रै कोमळ भावां रो औदात्य मन रै आंगणै ठा नीं कितरा रूप धरतो-बदळतो चित्त नै प्रेमबगनो कर देवै। आं गथावां में इण ठौड़ नायक-नायिका रै मिलन अर रूप-सिणगार रो अलंकारी बखाण खुद नै खुद में नीं रैवण देवै। दाखलै रूप 'ढोला-मारू' लोकगाथा में जद साव झीणै घूंघटै री ओट में लुक्यै मारू रै मूंढै नै ढोलो देखै तो उणनै लखावै कै जाणै बादळ्या-कसवाड़ां री ओट चौथ रो चांद मूंढो काट्यो हुवै। जद दोवां री आख्यां चार हुवै, तद वांरो प्रेम-बंधन अटूट होय जावै -

ढोलै जाण्यो बीजळी, मारू जाण्यो मेह।
चार आंख एकठ हुई, सैणां बंध्यो सनेह।।
मारू बैठी सेज पर, पीय मुख देखै तास।
पूनम केरे चंद ज्यूं, मंदिर हुवो उजास।।

अठै वारै मिलन रो नजारो ई मनमोवणो लखावै -

कंठ विलग्गी मारवी, करी कंचुवा दूर।
चकवी मन आणंद हुवो, कदिरण पसार्‌या सूरा।।

सोरठ-बींझा लोकगाथा में सोरठ रै रूप रो वरणाव करता थकां बताईज्यो है कै जियां बादळां में बीजळी चमकै, बियां ई टोळै में सोरठ रो रूप न्यारो ई खींवतो-चमकतो-दमकतो निगै आवै। गिरनार रो राव खंगार अेकर आपरै भाणजै बींझै सागै सिकार खेलतां-खेलतां चंपा कुम्हार रै गांव आय पूगै। भायल्यां सागै सोरठ ई राव खंगार री सवारी देखबा उणरै डेरै कनै आय पूगै। छोरियां रै टोळै मांय सोरठ यूं चमक रैयी ही जाणै किरत्यां बिचाळै चांद। बींझा री निजर अचाणचक सोरठ माथै पड़ी, तो वठै ई उळझ'र पड़ी ई रैयगी। चित्तबगनी निजर काण-कायदो कै जाणै?

सोरठ थांनै देखिया, जांझा झूलर मांहि।
जांणै चमकै बीजळी, गुदळै बादळ मांहि।।

इणी भांत 'ऊमा-अचळदास' गाथा में नायिका रै सरूप-सोवणै रूप री चितार-बखाण अचलदास साम्हीं झीमा चारणी इण भांत करै–

चंद वदनी, मृगलोचनी, सिंघ कटि गजगत्त।
एवी उमा सांखली, मनहरणी ज्यूं कवित्त।।

'जलाल -बूबना' लोकगाथा में सिणगार रो देह-पख सबळाई सूं साम्हीं आवै। अठै परकीया प्रेम रै तेज वेग अर फटकारां री भी गैरी अंवेर हुयी है। रतिक्रीड़ा री बेळा बूबना रा गाभा फाटजावै। इणरै लेखै ई जद उणरी सासू उणनै पूछै कै काल री सिंवायेड़ी उणरी कांचळी आज कियां फाटगी? तद वा ओळाव लेवै कै दरजी इणरी सिंवाई में नाप काठो कर दियो हो अर इणी कारण आ फाटगी, जदकै सासू भळी-भांत समझ जावै है। इण पेटै बळगत हुई बातचीत देखणजोग है -

सासू पूछै हे बहू, तोही न आवै लाज।
काल सिंवायो कांचळो, सो क्यूं फाट्यो आज?।।
उत्तर देवै छोकरी, उत्तर देय न जाण।
लाग्या छै कर छैल का, दरजी ऐब लगाण।।

इणी तरह रा और ई अलेखूं संजोग-सिणगार रा प्रसंग राजस्थानी लोकगाथावां री सांवठी साख भरै।

<u>विजोग-सिणगार</u>

विजाग-सिणगार रै वरणाव में नायक-नायिका रो विछोह काळजो कळपावै जैड़ो है। संजोग री सगळी मनमेळू नै हियै-हरसाऊ स्थितियां विजोग में चित्त-चूंटण लागै। विजोग री आग मन नै झुळसाय न्हाखै। संजोग में बादळां री उमड़-घुमड़, कोयल री कुहू-कुहू, मोर रो नाचणो कै ठंडी हवा रा फटकारा जठै नायक-नायिका रै मन-मोद अर आनंद नै बधावै वठै ई विजोग में अै ई सागी थितियां मन-तड़फाऊ लागण ढूकै। मनमीत रै विजोग में नायिका नै नीं तो रोटी खावणो रुचै, न बणाव-सिणगार अर नीं ई कोई बोल-बतळावण सुहावै। किणी काम में मन नीं लागै अर अेक-अेक दिन गिणता आंगळ्यां री पौरां घिस जावै पण गिणत नीं घटे। ठा नी कद प्रियतम आयनै उणसूं मिलसी। मन री इणी रढ़घच्च में वा आपरै मन री बात पिया तांई पंछियां रै सागै ई पूगावणी चावै। रात रै सपनै में भी वा आपरै मनमेळू प्रियतम सूं मिलन चावै।

कालीदास संस्कृत साहित्य रै 'मेघदूत' में मेघ मतलब बादळ नै सदेशै रो वाहक वणावै, तो हिन्दी साहित्य में अध्योध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 'प्रिय प्रवास' में 'पवनदूती संदेश' सर्ग में हवा नै संदेशदूती रूप बखाणै, ठीक उणी भांत राजस्थानी लोकगाथावां री नायिकावां सपनै, बादळ, हवा, कौआ, कुरजां, पपीहा अर सुआ आद नै अलेखूं जड़-चेतन उपादानां सूं आपरै प्रियतम नै याद करै। विजोग-सिणगार रा केई दीठाव दाखलैजोग है -

नागजी-नागवंती गाथा में बैम रै कारण नागजी नै वांरा पिताजी खुद कनै ई राख लेवै, जिण सूं कै नागजी-नागबंती आपसरी में मिल नीं सकै। नागजी री देही बुखार सूं आग दांई तपै पण बैदजी रै रोग पकड़ में नीं आवै। तो वठीनै नागवंती वारै विछोह में रो-रो आंधी हुय जावै। नागवंती रा अै भाव देखणजोग है -

नागजी तुम्हीणा नेह, रात दिवस सालै हिये।
किणनै कहिये तेह, नित नित सालै नागजी।।
नागजी समो नकोय, नगर सारो ही निरखियो।
नयण गुमाया रोय, नेह तुम्हीणे नागजी।।

'निहालदे-सुलतान' गाथा में निहालदे रो विजोग बखाण किणी नै भी गळगळो कर सकै। निहालदे नै आपरै धरमपिता कनै छोड'र जद सुलतान मारू री शरण में रेवै, तद वा सदीव आकळ-बाकळ रेवै। मन बसबसीजै पण कांई उपाय? सुलतान उणनै सावणी तीज नै आवणै रो वचन देय'र जावै पण निहालदै नै लागै के मारू उणरी सौतन बण बैठी है। बा सुलतान नै स्यात ई आवण देवै। इणी दोघाचिंती में फंसी बा कागद लिख नै सुलतान नै भेजणै री अरज करै।

राजस्थानी लोक साहित्य में 'बारहमासा' काव्य रो सौंदर्य अद्‌भुत नै गीरबैजोग है। निहालदे भी आपरै कागद में इणी अरथ नै अंवरै अर परगटै। असाढ रै महीनै बादळां री घनघोर घटावां रो कोई ओर-छोर नीं हुवै, मिंगसर में मिरगसिरा, पौह में नाहर-स्याळिया, माघ में मार्जार अर जेठ में बांदरा कामोन्नत हुवै पण विजोगण तो आठूं-पौर, चौबीसूं घण्टा, छबूं रितुवां अर बारहूं महीनां, कदैई सुख-सांयत नीं पावै अर नीं ईर बिछोह अगन बिसांई लेवण देवै। इण वास्तै हे मेरी सौक! म्हारै भरतार नै ओ कागद पढतां ई व्हीर कर देयी-

साढ के महीने मेरी सोकण
बादल घटा बी छाई आसमान
सावण महीने बी दादर मोर
भरे भादवे मेरी सोकण कोकिला
आसोजां बी समदर सीप
चैत महीने बी सब बणराव
बैसाखां में कोयलां काग
आपणी आपणी रुत लेली सब जणां
हे सोकण, हे त्रिया कहिये छै रुत बी बारै मास
अब भी परवाणा मेरा बांच कै
विदा कर देय ना बी मेरो भरतार।।

निहालदे आपरै संदेसै में मारू नै लिखै कै किणी मरद रै दो लुगायां तो सुणी है पण थारी तो रीत ई निराळी है। थूं दो-दो धणियां री बण'र रेवै। गजब लीला है अे मारू थारी! थूं तो आ बता म्हनैं गजबण, कै वां कनै सोवै किण विध है? किण नै तो थूं पीठ देवै अर किण नै अंग लगावै? म्हारो भरतार म्हनैं वचन दियो हो कै वै सावणी तीज मातै घरै बावड़ जासी। अबै तो छठो सावण बीत रैयो है.... म्हारी पाती पढतां ई म्हारै सुहाग नै व्हीर कर देयी-

औरां का नगर मैं मेरी सोकण सुलटी रीत है
तेरा नगर में वी उलटी है रीत
और है वी मर्द दो-दो राखै स्त्री
तू वी है राखै दो भरतार
कुणसा नैं सोवै हे मेरी सोकण या वी पीठ दै
कुणसा नैं सोवै है वी अंग लगाय
हे तेरा नैं है सोवै पीठ दै, मेरा नैं वी सोवै अंग लगाय
कौल कराया है पीव मुंसै तिरनी तीज का
तो जाणै छठा हे सावण वी बीता जाय
यी वी परवाना सोकण मारू बांच कै
बिदा करो ना वी घर भरतार।

'ढोला-मारू' गाथा में तो मरवण प्रियतम रै विछोह में बावळी हुय जो खण ले लेवै कै जे सावणी तीज माथै ढोला उणसूं नीं मिल्या तो वा आपरै सांसां रो त्याग कर देसी–

जे ढोला न आवियो, काजलिया री तीज।
चमक मरेसी मारवी, देख खिंवंती बीज।।

मारवणी पूगळ में बैठी पौरवां माथै दिन गिणती रेवै। ढोला री बाट जोवती मोर-कागला उडांवती रेवै -

कागा पिव न आवियो, कियो बडेरो चित्त।
लकड़ी होयस दोय जली, हूं अेकल ही नित्त।।
कागा जेथा पीव बसै, उडी तिहां चलि जाय।
ले मारू की पांसली, ढोला देखत साय।।

मरवण पिया-विजोग में आपरी मेड़ी में अणमणी बैठी निसखारा न्हाखै। मेड़ी उण नै काळै नाग दांई लहरावती-फुफकारती डसती लखावै -

सज्जणियां सिधाय करि, मंदिर बैठी आय।
मंदिर काळै नाग ज्यूं, लहरी दे दे खाया।।

आं दांखलां सूं ठा पड़ै कै संजोग में जिकी चीजां सुखदायक हुवै, वै ई विजोग-वगत में दुखदायक बण जावै। राजस्थानी लोकगाथावां में संजोग-विजोग रो अेकठ समन्वित रूप ई देख्यो जा सकै। लोक साहित्य में अेक दोहो जगचावो है कै प्रिय विछोह में प्रियतम जियां ई काग उडावण जावै, उणी वगत प्रियतम रा दरसण व्ही जावै अर विरह री आग सूं कळकळीजतै थाकलो दार्‌यै शरीर में अचाणचक ताजगी अर तेजी आय जावै। मुरझांवती देही कंवळ रूप खिलखिलावण-चमकण लागै–

काग उडावण धण गई, आयो पीव भड़क्क।
आधी चूड़ी काग गळ, आधी गई तड़क्क।।

इणी भांत ढोला-मारू री गाथा में मरवण सपनै में मनमेळू प्रियतम सूं मिलै पण सपनो टूटतां ई वा पाछी वियोगण हुय जावै–

सपना तोहे मराविसूं, हिये दिराऊं छेक।
जद सोऊं तद दोय जण, जद जागू तद अेक।।

इण तरह राजस्थानी लोकगाथावां में वीर, करूण अर सिणगार रस री त्रिवेणी बैवती दीसै। वीर-रस रै सागै कठै-कठैई रौद्र अर वीभत्स रस री चरूड़ लाली देखण नै मिलै, तो सिणगार-रस री दीठ अलेखूं अैड़ा दाखला मिलै जिणां में संजोग-विजोग दोनूं रसां रो मणिकांचन संजोग अेक ई दोहै या पद्य में सुभट लखावै।

(लेखक सम्मेलन द्वारा 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान' से विभूषित साहित्यकार हैं। संपर्कः डी-४२, विजय विहार, सोफिया स्कूल के पीछे, बीकानेर; मो. ९४१४४१६२५२)

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री सुशील कुमार अग्रवाल मे. पवन् कुमार एण्ड कं. डेली मार्केट रोड, बलाँगीर, ओडिशा	**श्री बिष्णु प्रसाद केडिया** मे. पैलेस फिल्ड बलाँगीर, ओडिशा	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. शांति इंटरप्राईजेज क्लब रोड, बलाँगीर, ओडिशा	**श्री चंदन अग्रवाल** मे. महालक्ष्मी राईस इंडस्ट्रीज, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** मे. श्यामा चौक, बारपल्ली बरगढ़, ओडिशा
श्री बिनोद कुमार अग्रवाल मे. माँ ट्रेडर्स, बारपल्ली बरगढ़, ओडिशा	**श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** मे. जय संतोषी माँ स्टोर श्याम चौक, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री गिरधारी लाल अग्रवाल** अशोक क्लब के नजदीक बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री भोला अग्रवाल** मे. विनायक फूड, बारपल्ली बरगढ़, ओडिशा	**श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल** कैनाल रोड, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा
श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल मे. बंसल ट्रेडर्स, कैनाल रोड, बरगढ़, ओडिशा	**श्री मामन चंद अग्रवाल** कैनाल रोड, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री पिताम्बर अग्रवाल** बस स्टैंड, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री हरिश चन्द्र अग्रवाल** मे. हरिश ट्रेडर्स, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुनिल कुमार अग्रवाल** मे. अनिल स्टोर, कालेज चौक, बरगढ़, ओडिशा
श्री अनिल कुमार अग्रवाल मे. पूजा एजेन्सी, कालेज रोड, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** मे. बिष्णु राईस मिल बिवी पल्ली, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री शंकर लाल अग्रवाल** मे. ज्योति स्टोर, कालेज रोड, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री शंकर कुमार अग्रवाल** मे. अनमोल ट्रेडर्स, श्यामा चौक, बरगढ़, ओडिशा	**श्री लक्ष्मण मित्तल** मे. डिलक्स लेडिज कार्नर गांधी चौक, बरगढ़, ओडिशा
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल मे. क्वालिटी स्टोर बस स्टैंड, बरगढ़, ओडिशा	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** मे. सौरभ इंटरप्राईजेज मस्जिद रोड, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** मे. माँ दुर्गा ट्रेडिंग कं., बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री दीपक जैन** मे. गीता स्टोर, डेली मार्केट, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री जयप्रकाश अग्रवाल** वित्तीय सलाहकार आई सी आई सी आई बरगढ़, ओडिशा
श्री सुरेश अग्रवाल मे. अग्रवाल बूटीक बरगढ़, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार बंसल** ब्याज हाई स्कूल, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री गोपाल कुमार चिरानियाँ** मे. गोपाल ट्रेडर्स, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुनिल कुमार अग्रवाल** मे. शिव शंकर किराना बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अरूण दलानियाँ** मे. कलकत्ता साईकिल स्टोर बरगढ़ रोड, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा
श्री बिनोद अग्रवाल कल्पना बाजार, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** गांधी चौक, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री संतोष अग्रवाल** मे. श्री बूटीक, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** जगन्नाथ नगर, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अंकित कुमार अग्रवाल** मे. ए.एस. इंटरप्राईजेज बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा
श्री सुभाष चन्द्र शर्मा कदाली मुंडा, अगलपूर बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री पवन कुमार धानुका** कदाली मुंडा, अगलपूर बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री छोटमल धानुका** झुना भमानी, तिलाईमल बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री कन्हैलाल अग्रवाल** कदालीमल, अगलपूर बरगढ़, ओडिशा	**श्री प्रह्लाद अग्रवाल** अगलपूर, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा
श्री बिष्णु अग्रवाल तेलीमल, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** तेलीमल, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री पवन चिरानियाँ** बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री दिलीप अग्रवाल** मे. जय माता दी किराना, तहसील चौक, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. सुनील किराना बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल मे. दुलीचंद ट्रेडिंग कं. लक्ष्मी मंदिर, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री महेश कुमार अग्रवाल** जगन्नाथ नगर, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री हरि प्रसाद जालान** मे. प्रेम इंटरप्राईजेज बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री योगेश जालान** मे. प्रेम इंटरप्राईजेज श्याम चौक, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री शम्भु प्रसाद अग्रवाल** मे. रंगीला चुड़ी, श्याम चौक, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा
श्री भरत अग्रवाल मे. अग्रवाल मेडिकल स्टोर बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल** मे. उमाशंकर स्टोर बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री बिष्णु अग्रवाल** जगन्नाथ नगर, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अनिल कुमार गोयल** जगन्नाथ नगर, बारपल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री श्रवण कुमार अग्रवाल** धरमगढ़, कालाहाँडी ओडिशा
श्री अभय अग्रवाल मे. माँ फैब्रिकेशन वर्क धरमगढ़, कालाहँडी, ओडिशा	**श्री जगमोहन अग्रवाल** मे. डे एण्ड नाईट मेडिकल धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सुभाष कुमार अग्रवाल** धरमगढ़, बाजारपाड़ा कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सचिन सिंघल** धरमगढ़, कालाहाँडी ओडिशा	**श्री गणेश अग्रवाल** धरमगढ़, बाजारपाड़ा कालाहाँडी, ओडिशा
श्री सुभाष कुमार अग्रवाल मे. कृष्णा डेली निड्स धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री रमेश मित्तल** धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री मदन मोहन जैन** मे. मंसादेवी टेट हाउस धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** पी. के. अग्रवाल, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री राजेश अग्रवाल मे. दूर्गा साईकिल स्टोर मेन रोड, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री बजरंग अग्रवाल** जगन्नाथ पाड़ा, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री अभय अग्रवाल** मे. माँ फैब्रिकेशन् धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सचिन सिंघल** पोलिस स्टेशन के नजदीक धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री श्रवण कुमार अग्रवाल** मे. शक्ति किड्स, मेन रोड धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री मिटु मित्तल मे. मित्तल ट्रेडिंग कं. धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री मनोज तयाल** धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री नवीन कुमार अग्रवाल** मे. नवीन ब्रदर्स धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री हनुमान प्रसाद अग्रवाल** मेन रोड, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** मे. बंसल आटोमोबाइल्स धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री सुरेन अग्रवाल मे. प्रभादेवी पेट्रोल पम्प इंडियन ऑयल, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री कमल किशोर अग्रवाल** मे. शांति देवी फिलिंग स्टेशन धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सुरेश पंसारी** मे. नमो सेल्स, धरमगढ़ कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री भिकुराम अग्रवाल** मे. खम्बेश्वरी ट्रेडर्स धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री बिकाश चन्द्र अग्रवाल** सी. एम. मार्केट कम्पलेक्स धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री ललित मोहन अग्रवाल मे. अम्बे क्लाथ स्टोर धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सुभाष अग्रवाल** मे. श्री कृष्णा डेली निड्स धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सुन्दर लाल अग्रवाल** मे. ग्रहुआ लक्ष्मी स्टोर मेन रोड, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री रुपेश अग्रवाल** मे. रुपेश मोबाईल् धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री राधेश्याम अग्रवाल** मे. भवानी जनरल स्टोर धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री घनश्याम अग्रवाल मे. परमेश्वर बूट हाउस धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री नबीन कुमार अग्रवाल** बाजार पाड़ा, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सुभाष कुमार अग्रवाल** मे. एम बी जी ट्रेडर्स बाजार पाड़ा, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री अनिल पंसारी** मे. पूजा एजेन्सीज बाजार पाड़ा, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री राम चन्द्र अग्रवाल** धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री प्रवीण अग्रवाल मे. जे. के. इलेक्ट्रीकल गर्वमेन्ट हास्पिटल के नजदीक धरमगढ़, ओडिशा	**श्री रतन लाल अग्रवाल** मे. पंसारी ट्रेडर्स धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री युबराज मित्तल** मे. बिकास किराना स्टोर बाजार पाड़ा, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** मे. चाहत ड्रेसेज, मेन रोड, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** केऊगाँव, कालाहाँडी ओडिशा
श्री घासीराम अग्रवाल मे. आदेश किराना स्टोर गोलमूण्डा, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री दुर्गेश अग्रवाल** मे. अनिल किराना स्टोर गोलमुण्डा, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री चुन्नीलाल अग्रवाल** गोलमुण्डा, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री मोहन लाल अग्रवाल** मे. मां गायत्री फैन्सी स्टोर मेन रोड, गोलमुंडा, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** केऊगांव, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री जितेश कुमार अग्रवाल चिचिया, भाया-सोसिया, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री प्रेम चंद अग्रवाल** केऊगांव, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री घनश्याम अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** केऊगांव, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री शुभम अग्रवाल** केऊगांव, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री आलोक अग्रवाल केऊगांव, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री ताराचंद अग्रवाल** केऊगांव, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** गोलमुंडा रोड, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल मे. पंसारी सेल्स, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री मदन मोहन् जैन** मे. मां मनसादेवी टेन्ट हाउस रेवेन्यु कालोनी, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. शिवलाल संतलाल धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री नब कुमार अग्रवाल** बेहरा, कालाहाँडी ओडिशा	**श्री घनश्याम अग्रवाल** बेहरा मेन रोड कालाहाँडी, ओडिशा
श्री विक्रम अग्रवाल केऊगांव, चार चौक, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री निखिल अग्रवाल** केऊगांव, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल** मे. गायत्री, किराना स्टोर गोलमुंडा, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री अमन कुमार अग्रवाल** गोलमुंडा, भाया-पारला कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** बैंक ऑफ बड़ौदा के नजदीक धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा
श्री रमेश मित्तल मे. रमेश इलेक्ट्रोनिक्स एस बी आई धरमगढ़ के नजदीक, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मे. बिनायक मोबाईल मेन रोड, धरमगढ़, कालाहाँडी, ओडिशा	**श्री प्रेमचंद अग्रवाल** बेहरा, कालाहाँडी ओडिशा	**श्री लिंगराज अग्रवाल** बेहरा, कालाहाँडी ओडिशा	**श्री गणेश कुमार अग्रवाल** बेहरा मेन रोड, कालाहाँडी ओडिशा
श्री तुलषी राम अग्रवाल बेहरा, कालाहाँडी ओडिशा	**श्री मुकेश अग्रवाल** मे. मुकेश किराना स्टोर माझीपाड़ा रोड, देवभोग छत्तीसगढ़	**श्री सुभाष कुमार मित्तल** मे. मित्तल प्रोविजन देवभोग, छत्तीसगढ़	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** मे. श्रीराम आटोमोबाईल्स माझीपाड़ा रोड, देवभोग, छत्तीसगढ़	**श्री रितेश कुमार अग्रवाल** मे. जय मातादी मोबाईल्स मेन रोड, देवभोग, छत्तीसगढ़

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री नरेश कुमार अग्रवाल मे. तिरुपती ज्वेलर्स गांधी चौक, देवभोग छत्तीसगढ़	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** मे. रमेश किराना स्टोर गांधी चौक, देवभोग छत्तीसगढ़	**श्री त्रिलोक चंद अग्रवाल** मे. सुमित किराना स्टोर माझीपाड़ा रोड, देवभोग छत्तीसगढ़	**श्री रामावतार अग्रवाल** गिरसुल रोड, गरियाबंद देवभोग, छत्तीसगढ़	**श्री प्रसन अग्रवाल** मेन रोड, गरियाबंद देवभोग, छत्तीसगढ़
श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल सामुदायिक भावा के नजदीक, देवभोग, छत्तीसगढ़	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** मे. दिनेश किराना स्टोर गरियाबंद, देवभोग छत्तीसगढ़	**श्री ईश्वर लाल अग्रवाल** मे. ईश्वर किराना स्टोर मेन रोड, गरियाबंद, देवभोग, छत्तीसगढ़	**श्री अर्जुन लाल अग्रवाल** मे. जे.के. एजेन्सी गिरसुल रोड, गरियाबंद देवभोग, छत्तीसगढ़	**श्री आशीष कुमार अग्रवाल** मे. लक्ष्मी सैनिटरी बलांगीर, ओडिशा
श्री अशोक कुमार अग्रवाल रोड नं-५, वार्ड नं-२ बालांगीर, ओडिशा	**श्री अनिल अग्रवाल** मे. गुप्ता मेडिकल कांटाभंजी, बालांगीर ओडिशा	**श्री अरूण डालमिया** कांटाभंजी, बालांगीर ओडिशा	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** मे. ललीत एजेन्सी रोड नं.-३, बालांगीर ओडिशा	**श्री बिमल जैन** मे. ओसिस फिटनेस बाजारपाड़ा, बालांगीर ओडिशा
श्री धीरज अग्रवाल मे. कोर्नाक, प्लाईवूड बलांगीर, ओडिशा	**श्री जय प्रकाश त्याल** रेड नं.-५, काँटा भंजी बलांगीर, ओडिशा	**श्री कुबु राम अग्रवाल** मे. गौरी शंकर साइकिल स्टोर, बलांगीर, ओडिशा	**श्री किशोर कुमार अग्रवाल** मे. शांति फिलिंग स्टेशन डीलर आई ओ सी, बलांगीर, ओडिशा	**श्री कमल किशोर सोनी** मेन रोड, कांटाभंजी बलांगीर, ओडिशा
श्री ललीत कुमार अग्रवाल शास्त्री चौक, कांटाभंजी बलांगीर, ओडिशा	**श्री मोहित बंसल** मे. बंसल आटो इलाहाबाद बैंक के सामने बलांगीर, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार वर्मा** वार्ड नं.-९, पूरानी बस्ती कांटाभंजी, बलांगीर, ओडिशा	**श्री राज किशोर अग्रवाल** आन्ध्रा बैंक के नजदीक कांटाभंजी, बलांगीर, ओडिशा	**श्री सुरज कुमार जैन** मे. जैन स्टील,कांटाभंजी बलांगीर, ओडिशा
श्री शिरीष कुमार अग्रवाल पूरानी बस्ती, कांटाभंजी बलांगीर, ओडिशा	**श्री सजन कुमार अग्रवाल** नोवापाड़ा, कांटाभंजी बलांगीर, ओडिशा	**श्री संजय खण्डेलवाल** रोड नं.-३, कांटाभंजी बलांगीर, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. जिंदल स्टोर्स, मेन रोड, कांटाभंजी, बलांगीर, ओडिशा	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल मोटर्स खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा
श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल अग्रसेन कालोनी, वार्ड नं.-६ खैरियार, नोआपाड़ा ओडिशा	**श्री गोविन्द राम मित्तल** मे. बी.एल. मेडीकल स्टोर खैरियार, नोआपाड़ा ओडिशा	**श्री राधेश्याम अग्रवाल** मेन रोड, खैरियार नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री विष्णु प्रसाद अग्रवाल** वार्ड नं.-८, राजापाड़ा खैरियार, नोआपाड़ा ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मे. जय मां दुर्गा फर्निचर वार्ड नं.-८, खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा
श्री नरेश कुमार अग्रवाल वार्ड नं.-८, खैरियार नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार सेवादा** मे. सेवादा ट्रेडर्स नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** वार्ड नं.-८, नोआपाड़ा ओडिशा	**श्री बजरंग लाल अग्रवाल** यू जी बी के नजदीक खैरियार, नोआपाड़ा ओडिशा	**श्री घनश्याम अग्रवाल** मे. मोहन गुणाकु फैक्टरी मेन रोड, खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा
श्री बालकृष्ण अग्रवाल मे. जय जगदम्बा स्टोर खैरियार, नोआपाड़ा ओडिशा	**श्री रामेश्वर अग्रवाल** लक्ष्मी चौक, वार्ड नं.-१० खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री रामुलाल अग्रवाल** मे. श्रीद्धी सांई फिलिंग स्टेशन भवानीपटना रोड, खैरियार नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री अर्जुनलाल अग्रवाल** मे. जगदम्बा मेडिकल एजेन्सी समलेश्वरी मंदीर के नजदीक खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** मे. राणीसति डिस्ट्रीब्यूटर यू जी बी रोड, खैरियार नोआपाड़ा, ओडिशा
श्री हरिओम जिंदल मे. अम्बे फूट वेयर, मेन रोड, खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री सुशील कुमार सेवादा** मे.सेवादा स्टोर मेन रोड, वार्ड नं.-६ खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री विजय कुमार सराफ** मे. सराफ आयुर्वेद भण्डार गुरुनानक चौक, खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** अग्रसेन कालोनी, वार्ड नं.-६, खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्रीमती अल्का अग्रवाल** खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा
श्री देवीदयाल अग्रवाल शांतिनगर, वार्ड नं.-२ खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. सुनील जनरल स्टोर वार्ड नं.-६, पटेल कालोनी खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल** मे. राधारमन हार्डवेयर खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री नरेश अग्रवाल** मे. अन्नापूर्णा एजेन्सी रामास्वामी मार्ग, वार्ड नं.-७ खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री सज्जन कुमार अग्रवाल** वार्ड नं.-६, अन्नापूर्णा नगर खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा
श्री किशोर कुमार अग्रवाल मे. श्री भगवती क्लाथ सेन्टर रामास्वामी मार्ग, वार्ड नं.-७ खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री नंदलाल त्याल** मे. पार्ले डिस्ट्रीब्यूटर्स आजाद चौक, खैरियार, नोआपाड़ा, ओडिशा	**श्री महेश कुमार जिंदल** एम. रामपूर, राम मंदिर पाईकपाड़ा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बजरंग लाल मित्तल** मे. मित्तल स्टोर, कालाहांडी ओडिशा	**श्री रमेश कुमार जैन** एम. रामपूर, मेन रोड कालाहांडी, ओडिशा
श्री कमल कुमार अग्रवाल मे. अम्बाजी ईलेक्ट्रीकल मदनपूर, रामपूर, कालाहांडी ओडिशा	**श्री नसीब कुमार जिंदल** मे. जिंदल ड्रेसेज एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री अरबिन्दा कुमार जिंदल** एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राजीब कुमार जिंदल** बस स्टैंड, एम. रामपूर कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** एम. रामपूर, गौड़पाड़ा कालाहांडी, ओडिशा

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री रुपेष कुमार जैन मे. ओम साई ट्रेडर्स मेन रोड, एम. रामपूर कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बिजय कुमार अग्रवाल** मे. बालाजी क्लाथ स्टोर एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. पायल फैंसी, एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सरोज कुमार अग्रवाल** मेन रोड, एम. रामपूर कालाहांडी, ओडिशा	**श्री परमानंद अग्रवाल** मे. अग्रवाल मडिकल स्टोर मदनपूर, रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा
श्री राज कुमार अग्रवाल मे. मां अन्नपूर्णा ट्रेडर्स शेरगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल** मेन रोड, एम. रामपूर कालाहांडी, ओडिशा	**श्री शंकर प्रसाद अग्रवाल** काला निकेतन, मेन रोड एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** मे. संजम मोटर्स, एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** मे. राधाकिशन किराना स्टोर, एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा
श्री बिष्णु कुमार जैन मे. फैशन हाउस, मदनपूर, रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री संजीव कुमार जिंदल** मे. राणीसती ट्रेडर्स एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुभाष चन्द्र मित्तल** मे. गौरी जनरल स्टोर एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रामौतार अग्रवाल** मे. जनता हार्डवेयर एण्ड जनरल स्टोर, एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री प्रितम कुमार जैन** एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा
श्री दिलीप कुमार अग्रवाल मे. अमृता मेडिकल स्टोर मेन रोड, एम. रामपूर कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुरेश कुमार केडिया** मे. जनता हार्डवेयर एण्ड जनरल स्टोर, एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गोविन्द राम अग्रवाल** एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राम किशन अग्रवाल** मे. नरेश स्टोर, एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राजता कुमार अग्रवाल** मे. हरिओम ट्रेडर्स एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा
श्रीमती मीरा देवी मित्तल कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बजरंगलाल अग्रवाल** मे. सरीता इंटरप्राइजेज मेन रोड, एम. रामपूर कालाहांडी, ओडिशा	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. आर. एन. मेडिकल स्टोर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** मेन रोड, एम. रामपूर कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गिरधारी लाल शर्मा** सुन्दीपाड़ा, एम. रामपूर कालाहांडी, ओडिशा
श्री प्रवीण कुमार जिंदल मे. ओम भूत हाउस एम. रामपूर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** श्री जगन्नाथ मंदिर के नजदीक रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** मे. अग्रवाल एजेन्सी रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** मे. बालाजी स्टोर रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री सजन कुमार भूत** मे. लक्ष्मी इंटरप्राइजेज मयूरभंज, ओडिशा
श्री मनोज कुमार शारदा सुरजमल, हनुमान प्रसाद मयूरभंज, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार शारदा** सुजनमल, हनुमान प्रसाद रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** मे. आकाश ट्रेडर्स रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री बिनोद कुमार सोन** मे. उत्कल ज्वेलरी मयूरभंज, ओडिशा	**श्री गौरी शंकर शर्मा** मे. अम्बीका इलेक्ट्रीकल्स वार्ड नं.-६, रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा
श्री राजकुमार भूत मे. शील साड़ी स्टोर रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री चिरंजी लाल शारदा** रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री बिष्णु कुमार अगरवाला** बहल दा, राज भवन मयूरभंज, ओडिशा	**श्री सुशील कुमार अगरवाला** मालदा राज भवन मयूरभंज, ओडिशा	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** मे. हार्डवेयर हाऊस रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा
श्री हरि प्रसाद शारदा रामगोपाल जी रामजी दास रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री सुनिल कुमार पाडिया** मे. ओम स्टील फार्नफेचर रामरंगपूर, वार्ड नं.-५ मयूरभंज, ओडिशा	**श्री विनीत अग्रवाल** एच पी पम्प, वार्ड नं.-५ रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री भगवती प्रसाद छाजेर** रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री विजय अग्रवाल** वार्ड नं.-६, रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा
श्री सजन कुमार गाड़ोदिया भाई गली, वार्ड नं.-५ रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री बिष्णु प्रसाद शर्मा** मे. बिष्णु मिष्ठान्न भंडार वार्ड नं.-५, धरमगली, रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री बिमल कुमार स्वामी** रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री महेश कुमार शर्मा** मे. अमित टेक्सटाईल रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री रामावतार पाडिया** मे. श्री सती प्लाई हाउस रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा
श्री बिनोद कुमार माहेश्वरी मे. बिनोद परफ्यूमरी एजेन्सी वार्ड नं.-९, रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री प्रवीण कुमार अगरवाला** वार्ड नं.-५, गांधी चौक के नजदीक, रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री राजेन्द्र प्रसाद अगरवाल** रतन टाल्किज कम्पाउंड रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री लक्ष्मण कुमार पाडिया** मे. शाक्मभरी इंटरप्राईजेज मयूरभंज, ओडिशा	**श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल** मे. अग्रवाल मेडिकल रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा
श्री राम गोपाल भूत मे. गोपाल क्लाथ स्टोर मेन रोड, रायरंगपूर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री रंजन चाँदगोठिया** मे. रामलाल शिवभगवान रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** मे. श्री श्याम एग्रो प्रोडक्ट रायरंगपूर, मयूरभंज ओडिशा	**श्री आनंद कुमार जैन** द्वारा - सिद्धी विनायक साइकिल स्टोर, वी एस टी मार्ग, रायगदा, ओडिशा	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** ए-१, इंटरप्राईजेज रायगदा, ओडिशा
श्री अजय कुमार जैन विद्या नगर, द्वितीय लेन रायगदा, ओडिशा	**श्री अशोक कुमार जैन** द्वारा - अजीत मोटर्स जे के रोड, रायगदा ओडिशा	**श्री बाबू लाल अग्रवाल** मे. उमाशंकर जनरल स्टोर मेन रोड, रायगदा, ओडिशा	**श्री भैरव जैन** टेलीफोन भवन, गांधीनगर रायगदा, ओडिशा	**श्री विष्णु अग्रवाल** गनपूर, रायपूर, ओडिशा

S R RUNGTA GROUP
R
Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by
IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L
5800021706
Approved by
IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L
5800007712

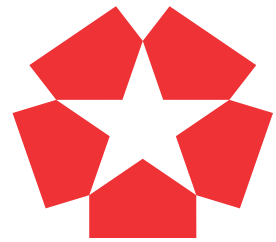

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**
E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

Dollar®
Bigboss
PREMIUM INNERWEAR
Briefs | Boxers | Vests
Bigboss
DOLLAR
BIGBOSS
BIGBOSS
BIGBOSS
BIGBOSS
Fit Hai Boss
| www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 10th May 2019
RNI Regd. No. 2866/1968

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

COMFORTS & CONVENIENCES
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

SENIOR-FRIENDLY
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

SECURITY
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com